ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष तृतीया संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 331 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
29 मई 2025 गुरुवार

आज का मौसम
34 अधिकतम
23 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

‘बिग ब्यूटीफुल’ सपना टूटा...मस्क ने ट्रंप का साथ छोड़ा

एक बिल पर गहरा रहे थे मतभेद

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी अरबपति कारोबारी व टेस्ला के मालिक इलॉन मस्क ने आज अलसुबह ट्रम्प प्रशासन छोड़ दिया। उन्होंने भारतीय समय के मुताबिक गुरुवार सुबह 5.30 बजे सोशल मीडिया ङ्क पर यह जानकारी दी। मस्क ने कहा कि स्पेशल गवर्नमेंट एंप्लायी के तौर पर मेरा समय पूरा हुआ। उन्होंने इस जिम्मेदारी के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प को धन्यवाद भी दिया। ट्रम्प ने मस्क को डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी का जिम्मा दिया था। जिसका काम सरकार की फिजूलखर्ची कम करना था। हाल के दिनों में मस्क उस बिल का विरोध कर रहे थे जिसे ट्र्म्प ने बिग ब्यूटीफुल बताया था। महकमा छोड़ने से पहले मस्क ने कहा कि इसका काम खर्चों में कटौती करना है और यह बिल उस मकसद के खिलाफ है। जानकारी के मुताबिक ट्रम्प ने राष्ट्रपति बनने के बाद मस्क की नियुक्ति 30 मई 2025 तक के लिए ही की थी। यानी जब मस्क ने इस्तीफा दिया, उसके एक दिन बाद ही उनका कार्यकाल खत्म हो रहा था। सवाल अब यह है कि डिपार्टमेंट छोड़ने के बाद क्या मस्क ट्रम्प का साथ भी छोड़ेंगे? मस्क ने कहा- राजनीति में जितना करना था कर लिया। अब चंदा नहीं दूंगा। फेडरल ब्यूरोक्रेसी मेरी सोच से ज्यादा खराब है। यह संकेत है कि मस्क राजनीति से दूरी बनाएंगे।

क्या है बिग ब्यूटीफुल बिल, क्यों हुआ विवाद : ट्रम्प ने 2017 में इनकम टैक्स और एस्टेट टैक्स में कटौती की थी यह बिल उसे बढ़ाता व स्थायी बनाता है।इसके अलावा इसमें ओवरटाइम, टिप्स, और सोशल सिक्योरिटी इनकम पर नए टैक्स कटौती के नियम हैं। व्हाइट हाउस का कहना है कि जो लोग सालाना 30 हजार से से 80 हजार डॉलर कमाते हैं, उनके टैक्स में अगले साल 15 फीसदी कटौती होगी। बॉर्डर सिक्योरिटी यानि अवैध इमिग्रेश रोकने और अमेरिकी सेना व रक्षा को मजबूत करने पर ज्यादा खर्च होगा। सरकार के खर्च में जो फिजूलखर्ची, धोखाधड़ी और दुरुपयोग होता है, वह इस बिल से कम होगा।

गोली लगने के बाद मिला मस्क का साथ: मस्क ने डोनाल्ड ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने का पहली बार समर्थन 13 जुलाई 2024 को सार्वजनिक रूप से किया। इसी दिन ट्रम्प पर पेनसिल्वेनिया में जानलेवा हमला हुआ था। इसके बाद उन्होंने ट्रम्प के अभियान के लिए अमेरिका पॉलिटिकल एक्शन कमेटी के माध्यम से लाखों डॉलर का दान देना शुरू किया। जबकि 2016 के राष्ट्रपति चुनाव में मस्क ने ट्रम्प की आलोचना की थी व कहा था कि वे इस पद के लिए सही व्यक्ति नहीं हैं। उन्होंने 2020 में जो बाइडेन का समर्थन किया था और 2022 में ट्रम्प के साथ उनकी कुछ तीखी बहस भी हुई थी।

कोर्ट में फंसे तो सीजफायर का हवाला

अमेरिका की ट्रेड कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को झटका देते हुए लिबरेशन डे टैरिफ को अवैध बताते हुए रोक लगा दी, फैसला मैनहट्टन की इंटरनेशनल ट्रेड कोर्ट के तीन जजों के पैनल ने दिया है लेकिन लेकिन ट्रंप सरकार ने टैरिफ की पैरवी करते हुए भारत और पाकिस्तान सीजफायर का जिक्र कर दिया और कहा कि टैरिफ की मदद से ही भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर कराने में मदद मिली व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्तक्षेप की वजह से दोनों देश युद्धविराम कर पाए। बयान में कहा गया कि ट्रंप ने दोनों देशों को ट्रेड का ऑफर दिया, जिससे एक पूर्ण युद्ध की स्थिति से बचाया गया।

राजधानी में ‘क्राफ्टरूट्स’ की शुरुआत आनंदी बेन के साथ

हुनरमंदों के बीच मुख्यमंत्री, सजने लगा *महाशक्ति सम्मेलन* का मंच

भोपाल,दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आज ‘भोपाल हाट’ में महिलाओं की हस्तशिल्प उत्पादों की प्रदर्शनी ‘क्राफ्टरूट्स’ का उदघाटन किया और महिला कलाकारों से संवाद किया। इस मौके पर उप्र की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल भी मौजूद थीं। इसके बाद मुख्यमंत्री यादव छतरपुर रवाना हो गए,जहां वे तेंदुपत्ता संग्राहकों व वन समितियों के सम्मेलन को संबोधित कर रहे हैं। उन्होंने महिला स्वास्थ्य शिविर का भी उदघाटन किया। उल्लेखनीय है कि भोपाल में 31 मई को आयोजित महिला सशक्तिकरण सम्मेलन के पहले सीएम विभिन्न महिला वर्गों से संवाद कर रहे हैं। इसे देवी अहिल्याबाई महिला महाशक्ति महासम्मेलन नाम दिया है। कल सीएम ने सारणी में महिला स्व-सहायता समूह सम्मेलन में लाड़ली बहना योजना की सहायता राशि तीन हजार रुपया प्रतिमाह करने का वादा भी दोहराया व कहा कि पांच वर्षों में लाड़ली बहनों को प्रतिमाह तीन हजार रुपये तक की सहायता दी जाएगी। राजधानी में पीएम मोदी की मौजूदगी वाले महिला सम्मेलन में भोपाल समेत आसपास के चार संभागों सागर, इंदौर, उज्जैन संभाग से अधिकांश महिलाएं शामिल होंगी। स्व सहायता समूहों की सदस्य, लखपति दीदी, ड्रोन दीदी जैसे काम करने वाली महिलाएं सम्मेलन में शामिल होंगी। मोदी करीब डेढ़ घंटे तक महिला सम्मेलन में शामिल रहेंगे। सूत्रों का कहना है कि महिलाओं को आने-जाने में ज्यादा परेशानी न हो इसलिए नजदीक के जिलों से महिलाओं को बुलाने पर फोकस किया जाएगा। खास बात यह है कि महिला सम्मेलन में देवी अहिल्या बाई होल्कर के साथ ही कर्नल सोफिया कुरैशी, विंग कमांडर व्योमिका सिंह के साथ सेना की वर्दी में पीएम मोदी के कटआउट भी नजर आएंगे।

महिला सम्मेलन के लिए दीवारों को अहिल्याबाई के चित्रों से सजाया जा रहा है।

पीएम सुरक्षा में तीन हजार जवान

जंबूरी मैदान में सम्मेलन के चलते पीएम के लिए तीन हजार पुलिसकर्मियों की तैनाती की जा रही है। यह कर्मचारी जंबूरी मैदान और आसपास नजर रखेंगे। यहां 5 किलोमीटर की परिधि में ड्रोन, पैराग्लाइडर, हॉट बैलून एवं अन्य फ्लाइंग ऑब्जेक्ट्स के उड़ान पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। यह प्रतिबंध 31 मई शनिवार सुबह 6 बजे से शाम 4 बजे तक रहेगा। उक्त क्षेत्र को रेड जोन तथा नो-फ्लाई जोन घोषित किया गया है। आदेश के उल्लंघन पर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। इस आदेश से कमर्शियल फ्लाइट्स मुक्त रहेगी। सम्मेलन में प्रदेश के विभिन्न जिलों से लगभग 5 हजार बसों के माध्यम से महिलाओं के आने की उम्मीद है।

भाजपा के एक और बयानवीर

‘एयरफोर्स जवान सोए हुए थे’

उधमपुर, एजेंसी

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर अब उधमपुर के भाजपा विधायक रणवीर सिंह पठानिया ने ऐसा बयान दिया है, जो विवादों में आ गया है। पठानिया ने भारतीय सेना और वायुसेना के जवानों की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उधमपुर एयरफोर्स स्टेशन को पाकिस्तान ने निशाना बनाया था। एयरफोर्स स्टेशन पर क्या हुआ सबको पता है। नालायकी होगी इनकी, सोए होंगे ये लोग, हमारा तो कोई कसूर नहीं है। पठानिया ने यह भी कहा कि हमारा कसूर है कि हमने इन्हें पलकों पर बैठा कर रखा है। विधायक के इस बयान के बाद भाजपा फिर बैकफुट पर है। क्योंकि ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सुरक्षा बलों ने अदम्य साहस और वीरता का परिचय दिया है और पूरा देश तारीफ कर रहा है, जबकि भाजापा विधायक का बयान सैन्य बलों के मनोबल पर असर डालने वाला बताया जा रहा है। फिलहाल भाजपा ने बयान पर आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। लेकिन विपक्षी दलों ने इस पर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। दरअसल भाजपा विधायक जब पठानिया उधमपुर एयरफोर्स स्टेशन द्वारा सड़क चौड़ीकरण को लेकर जारी नोटिस के खिलाफ लोगों के प्रदर्शन में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि जब उधमपुर में एयरपोर्ट आया, तो लोगों ने बिना मुआवज़े सड़क दी। अब उन्हें ही हटाने की धमकी दी जा रही है।

थरूर बोले- गांधी का देश अब दूसरा गाल आगे नहीं बढ़ाएगा

नई दिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तान के आतंकी करतूतों का पर्दाफाश करने के लिए विदेशी दौरे पर गए कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा है कि अब महात्मा गांधी का भी देश ऐसी हरकत होने पर अपने दूसरे गाल को आगे नहीं करेगा और प्रतिक्रिया देगा। पनामा में बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे कांग्रेस सांसद थरूर ने आतंकवाद के खिलाफ भारत के दृढ़ रुख की पुष्टि की और कहा कि देश दूसरा गाल नहीं आगे करेगा तथा किसी भी हमले का जवाब देगा। थरूर ने महात्मा गांधी की शिक्षा पर जोर दिया कि बिना किसी डर के जीना चाहिए, गांधी ने हमें स्वतंत्रता के लिए हमारे संघर्ष में अपने साहसी नेतृत्व में यह भी सिखाया कि हमें हमेशा अपने अधिकारों के लिए खड़ा होना चाहिए। हमें हमेशा उन मूल्यों के लिए खड़ा होना चाहिए जिन पर हम विश्वास करते हैं, और हमें बिना किसी डर के जीना चाहिए। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने पनामा में बुधवार रात को कहा कि महात्मा गांधी का भी देश किसी हमले पर दूसरे गाल को आगे नहीं करेगा। जवाब में सख्त कार्रवाई करेगा। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ भारत का रुख एकदम साफ है। हम आतंकवाद के खिलाफ पूरी दृढ़ता से खड़े हैं।

आज से दिल्ली-एनसीआर पर 48 घंटे भारी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली और आसपास के इलाके में जमकर बारिश होने के आसार बन गये हैं और मौसम विज्ञान विभाग ने अगले दो दिनों में 70 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चलने, गरज के साथ तूफान और बारिश होने का अनुमान लगाया है। विभाग के मुताबिक, राष्ट्रीय राजधानी और उसके पड़ोसी राज्यों हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में शुक्रवार तक गरज, बिजली और तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। जबकि 30 मई को हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 50-60 किलोमीटर प्रति घंटे की गरज के साथ हवा चलने की संभावना है, जो 70 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है।

मप्र के 5 जिलों में आज हैवी रेन!

इधर मप्र के पांच जिलों में आज हैवी रेन यानी, भारी बारिश का अलर्ट है। मौसम विभाग ने खरगोन, बुरहानपुर, खंडवा, हरदा और बैतूल में ढाई से सा? 4 इंच तक बारिश की संभावना जताई है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, नर्मदापुरम-जबलपुर संभाग के जिलों में आंधी-बारिश का दौर रहेगा। दरअसल प्रदेश में दो साइक्लोनिक सकुर्लेशन और एक ट्रफ एक्टिव है।

पाकिस्तान को समझ आ गया, हम क्या कर सकते हैं : मोदी

बागडोगरा, एजेंसी

खराब मौसम के चलते सिक्किम के गंगटोक नहीं पहुंचसके पीएम मोदी ने वीसी के जरिये संबोधन में कहा कि पाकिस्तान को समझ में आ गया है कि वह भारत से मुकाबला नहीं कर सकता। ‘ऑपरेशन सिंदूर’ में उसने देख लिया है कि भारत क्या कर सकता है। मोदी सिक्किम के 50 साल पूरे होने पर वहां की पर्यटन विविधता की तारीफ कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने पहलगाम का जिक्र किया। उन्होंने कहा, पर्यटन सिर्फ मनोरंजन नहीं है, ये विविधता का जश्न है, लेकिन आतंकियों में जो कुछ पहलगाम में किया। वो सिर्फ भारतीयों पर हमला नहीं था। वो मानवता की आत्मा पर हमला था, भाईचारे की भावना पर हमला था। हमने आतंकियों को ‘ऑपरेशन सिंदूर’ से करारा जवाब दिया।

मेट्रो एंकर — एमसीसीडी की रिपोर्ट में हुआ खुलासा

कोरोना-काल में मौतों का असली आंकड़ा अब सामने आया, 20 लाख मौतें ज्यादा...!

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत में कोरोना के फिर से बढते एक्टिव मामले हजार का आंकड़ा पार कर चुके हैं और सरकार अभी से जरूरी तैयारियों में जुटी है, मगर इस बीच 2021 के कोरोना काल में मरने वालों का असली आंकड़ा सामने आया है। यह खुलासा मेडिकल सर्टिफिकेशन ऑफ कॉज ऑफ डेथ यानि एमसीसीडी की रिपोर्ट में हुआ है,जो दो साल देरी से आई है। इसे रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया ने अपलोड किया है। इसके मुताबिक, 2021 में देश में 1.02 करोड़ मौतें हुईं, इसमें पिछले साल की तुलना में 21.08 लाख की बढ़ोतरी देखी गई। यानि 2020 में 81.15 लाख मौते हुईं थी। विशेषज्ञों का मानना है कि 21.08 लाख मौतें उस वक्त लॉकडाउन और रिपोर्टिंग की कमी की वजह से पता चला नहीं था। अब यह आंकड़ा सामने आया है। हालांकि आरजीआई ने बड़ी हुई 21.08 लाख मौतों की वजह नहीं बताई है। दरअसल, मेडिकली सर्टिफाइड डेथ’ मतलब ऐसी मृत्यु जिसकी वजह को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल ने प्रमाणित किया हो। मौतों को सर्टिफाइड करने से पता चलता है कि लोग किन बीमारियों से अधिक मर रहे हैं। इसके अलावा सर्टिफिकेशन से प्रमुख बीमारियों के लिए इलाज, जागरूकता और गंभीरता को समझने में मदद मिलती है। उदाहरण के लिए, अगर कोरोना काल में अधिकतर मौतों को मेडिकली सर्टिफाई किया गया होता तो सरकार को इससे हेल्थ बजट और प्लानिंग करने में मदद मिलता। इस रिपोर्ट के मुताबिक, 2021 में हार्ट की बीमारी और कोविड से मौत देश में सबसे बड़ी वजह थी। 4 साल तक के बच्चों में कोविड का कोई खास इम्पैक्ट नहीं पड़ा था। 5 से 24 साल के लोगों में एक्सीडेंट, पॉइजन और चोट मौत की बड़ी वजह थी। इसी साल 15 से 24 उम्र के युवाओं में हार्ट की बीमारी से मरने वालों की संख्या में बढ़ोतरी देखी गई। 25-44 साल के लोगों में हार्ट की बीमारी के बाद कोरोना से मौत दूसरी बड़ी वजह साबित हुई। इसके अलावा 45+ उम्र वालों में 35 फीसदी मौतें हार्ट डिजीस वालों की हुई।

दावों से अधिक कोरोना से मौतों का आंकड़ा !

एमसीसीडी रिपोर्ट के मुताबिक, कोरोना से मरने वालों की संख्या 5.74 लाख थी। लेकिन हेल्थ मिनिस्ट्री ने संसद में 5.33 लाख मौतों का दावा किया था। यह संख्या रिपोर्ट से 40,533 मौत कम हैं। हालांकि रिपोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया है कि 2021 में 1 करोड़ कुल मौतें हुई, जिनमें सिर्फ 24 लाख को ही सर्टिफाई किया गया था। ऐसे में अधिकतर मौतें जो 2021 में अचानक बड़ी, उनकी वजह स्पष्ट नहीं हो सकी। रिपोर्ट में कहा है कि देशभर में कुल 1 करोड़ मौतें हुई, जिसमें 62 लाख पुरुष और 40 लाख महिलाएं थीं। महिलाओंकी तुलना पुरुषों (62.4 फीसदी) की मौत का आंकड़ा करीब दोगुना रहा। हालांकि डॉक्यूमेंटेड मौतों में पुरुषों की ज्यादा संख्या के पीछे महिलाओं की मौतों की कम रिपोर्टिंग मानी गई।

इंतजार...

रेल्वे ने मालवा एक्सप्रेस को निशातपुरा में रोकने की मंशा बताई

ट्रेनों की लेटलतीफी से मुसाफिरों की फजीहत, अभी और बढ़ेगी मुसीबत

ट्रेनों में भीड़ और गर्मी से सामान्य श्रेणी में सफर करना मुश्किल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गर्मी का सीजन और छुट्टियों का वक्त, इसने रेलवे यात्रियों की परेशानी को जबर्दस्त तरीके से बढा रखा है। इसके चलेत जहां ट्रेनों में भीड़ है और गर्मी से सामान्य श्रेणी में सफर करना मुश्किल हो रहा है, वहीं दूसरी तरफ अधिकांश लंबी दूरी की ट्रेनें घंटों की देरी से चल रही हैं। राजधानी भोपाल में बीते कई दिनों से यह स्थिति लगातार बनी हुई है, जिससे यात्रियों की तकलीफें और भी अधिक बढ़ गई हैं। भोपाल स्टेशन पर देर से पहुंचने वाली ट्रेनों की सूची लंबी होती जा रही है। दूसरी तरफ रेलवे स्टेशन पर मनोरंजन और आराम की सुविधा उपलब्ध कराने के नित नये दावे और योजना में मशगूल है।

बीते कुछ दिनों में यह आलम रहा कि निजामुद्दीन-जबलपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस सबसे ज्यादा देरी से चली। एक दिन तो यह 3 घंटे 30 मिनट की देरी से आई। इसके अलावा मंगला लक्षद्वीप एक्सप्रेस भी करीब पौने तीन घंटे, तमिलनाडु एक्सप्रेस करीब दो घंटे और अमृतसर एक्सप्रेस भी घंटाभर देरी से आई। ट्रेनों के लेट चलने से लोगों को समय पर गंतव्य पर पहुंचने में भारी दिक्कतें हो रही हैं। ट्रेनो में रिजर्व सीटें भी नहीं मिले रही हैं तथा जनरल बोगी में लोग ठूंसकर भरे नजर आ रहे हैं। जानकारों का कहना है कि यह स्थिति अभी जून के पहले पखवाडे तक नहीं सुधरने वाली है। भोपाल से सफर शुरू करने वालों को गर्मी व उमस के माहौल में ट्रेनों का लंबा इंतजार परेशान कर रहा है।

रेलवे की मंशा पर कई सवाल

इधर पश्चिम मध्य रेलवे की सलाहकार समिति की बैठक में मालवा एक्सप्रेस के निशातपुरा स्टेशन पर ठहराव को लेकर भ्रम की स्थिति है। रेल प्रशासन के परस्पर विरोधाभासी जवाबों ने मुद्दे को और उलझा दिया है। भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने निशातपुरा पर ठहराव का सही बताया है। लिहाजा तय माना जा रहा है कि मालवा एक्सप्रेस को निशातपुरा पर रोका जाएगा लेकिन यह भी कहा जा रहा है कि यह ट्रेन भोपाल जंक्शन नहीं पहुंचेगी। बल्कि निशातपुरा से बीना की ओर चली जाएगी। हालांकि रेलवे की ओर से मालवा एक्सप्रेस के ठहराव को लेकर अलग-अलग जवाब है। अधिकारियों ने यातायात दबाव और संचालन सुविधाओं का हवाला देकर निशातपुरा ठहराव उचित बताया, तो दूसरी ओर भोपाल जंक्शन को हटा देने के फैसले पर कोई स्पष्ट तर्क नहीं दिया गया। अब अगर ट्रेन भोपाल जंक्शन पर नहीं रुकेगी, तो बड़ी संख्या में नियमित यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। मालवा एक्सप्रेस का भोपाल जंक्शन पर नहीं रुकना नए शहर और पुराने भोपाल के हजारों यात्रियों के लिए चिंता का विषय बन गया है। निशातपुरा स्टेशन, भोपाल जंक्शन की तुलना में करीब दो किलोमीटर दूर स्थित है। इससे उन यात्रियों को अतिरिक्त यात्रा करनी पड़ेगी, जो अभी तक सीधे भोपाल जंक्शन से ट्रेन पकड़ते या वहां उतरते थे।

ऑटो में सवार महिला का पर्स झपटा, मोबाइल, नगदी सहित सोने का हार ले गए बदमाश

एचडीएफसी बैंक के पास रोहित नगर फेज वन में बाइक सवार बदमाशों ने की वारदात

भोपाल, दोपहर मेट्रो

शाहपुरा थाना क्षेत्र स्थित एचडीएफसी बैंक के पास रोहित नगर फेस वन में ऑटो में सफर कर रही महिला का बाइक सवार बदमाशों ने पर्स झपट लिया। पर्स में मोबाइल, पांच हजार रुपए की नगदी और सोने का हार था। दंपती ने ऑटो चालक से बाइक सवारों का पीछा करने का भी कहा, लेकिन बाइक सवार तेजी से बाइक चलाते हुए भाग निकले। बुधवार रात करीब साढ़े 10 बजे लूट की सनसनीखेज वारदात की शिकायत लेकर थाने पहुंचे दंपती की शिकायत चार घंटे बाद रात करीब ढाई बजे दर्ज की गई। पुलिस के अनुसार मोहम्मद आमीन (51) मूलत- झारखंड के रहने वाले हैं। उनकी इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड शिमला में है। वे वर्ष 2013 से 2017 में भोपाल में रह चुके हैं। लिहाजा उनका भोपाल अक्सर आना जाना है। उन्होंने पुलिस को बताया कि ऑफिस के काम से वह भोपाल आए हुए हैं और ऑफिस के ही रेस्ट हाउस में रुके हुए है। उनके साथ उनकी पत्नी भी आई है। दंपती बुधवार दोपहर रेस्ट हाउस से न्यू मार्केट खरीदारी करने पहुंचे थे। इसस पूर्व उन्होंने बैंक लॉकर में रखा सोने का हार निकाला था। हार आमीन की पत्नी ने पर्स में रख लिया। शाम को न्यू मार्केट में खरीदारी की और रात करीब दस बजे तक घूमते रहे। इसके बाद आटो किराए पर लिया और शाहपुरा स्थित रेस्ट हाउस जाने के लिए निकल गए। वे रोहित नगर फेस-वन में एचडीएफसी बैंक की शाखा के पास पहुंचे थे। इस दौरान रात करीब साढ़े दस बजे के आसपास बाइक सवार लुटेरों में पीछे बैठे लुटेरे ने आटो के गेट के पास बैठी उनकी पत्नी के हाथ से पर्स झपट लिया। पर्स में मोबाइल, पांच हजार रुपए की नगदी और सोने का हार था।

रैकी का अनुमान

पुलिस का अनुमान है कि बदमाशों ने दंपती का पीछा कर रैकी करने के बाद वारदात को अंजाम दिया है। पुलिस घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाल रही है।

प्रधान मंत्री के आगमन से पूर्व दो गंभीर वारदात

उल्लेखनीय है कि 31 को प्रधान मंत्री महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम में शामिल होने जंबूरी मैदान आ रहे हैं। उनके आगमन से पूर्व राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था की गई है। पुलिस ने दावा किया है कि सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता है। बावजूद इसके बुधवार को लूट की दो वारदात हो गई।

प्रदेशभर के डीईओ पद के लिए बुलाई लोकसेवकों की सूची

यहां परीक्षण समिति पदस्थापना को लेकर सूची पर अंतिम निर्णय लेगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के जिलों में प्रभाारी के भरोसे चल रहे 85 फीसदी जिला शिक्षा अधिकारियों (डीईओ) के पद को लेकरर स्कूल शिक्षा विभाग ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। प्रभावित होती शैक्षणिक व्यवस्था को देखते हुए लोक शिक्षण संचालनालय ने सभी जिला शिक्षा अधिकारी को पत्र जारी कर संचालक लोक शिक्षण ने ए ऐसे लोक सेवकों की सूची मंगाई की है, जो जिला शिक्षा अधिकारी पद के लिए पूरी तरह से योग्य हैं। जिन अधिकारियों या प्राचार्यों के नाम डीईओ के लिए प्रस्तावित किए जाएंगे, उनके साथ प्रस्तावक को भी 29 मई को भोपाल बुलाया गया है। यहां परीक्षण समिति पदस्थापना को लेकर अंतिम निर्णय लेगी। भेजे जाने वाले नामों के विरुद्ध किसी तरह की विभागीय जांच शुरू नहीं होनी चाहिए। साथ ही किसी तरह के आपराधिक प्रकरण, लोकायुक्त केस, ईओडब्ल्यू संबंधी जांच या केस दर्ज होने की स्थिति में इसकी भी जानकारी अलग से देने के लिए कहा गया है।

शहर में पहली बार ब्रेन डेड मरीज के अंगदान, ओटी में हुआ पोस्टमार्टम

एम्स में मृतक को गार्ड ऑफ ऑनर मिला

भोपाल, दोपहर मेट्रो

एम्स में एक नया इतिहास बना, पहली बार यहां एक ब्रेन डेड मरीज से सफलतापूर्वक अंग दान हुआ और इस तरह औबेदुल्लागंज निवासी 60 वर्षीय शंकरलाल कुबरे मौत के बाद भी तीन लोगों को जिंदगी दे गए। उन्होंने अपना दिल और दोनों किडनी दान कर दीं। चूंकि यह मामला मेडिकोलीगल का था, इसलिए मृत्यु के कारण की पुष्टि के लिए पोस्टमॉर्टम जरूरी था। समय की संवेदनशीलता को देखते हुए, पोस्टमॉर्टम पहली बार ऑपरेशन थिएटर में ही किया गया। इससे अंगों को तुरंत सुरक्षित कर ट्रांसप्लांट संभव हो सका। एम्स अब मध्यप्रदेश का पहला सरकारी अस्पताल बन गया है, जहां कैडेवर डोनेशन के जरिए अंग प्रत्यारोपण हुआ है। खास बात यह है कि पहली बार किसी अंगदान करने वाले को एम्स में श्रद्धांजलि देते हुए गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। बताया जाता है कि 24 मई को सड़क हादसे में घायल हुए शंकरलाल को गंभीर हालत में एम्स लाया गया था। डॉक्टरों ने उन्हें सोमवार देर रात ब्रेन डेड घोषित किया। इसके बाद एम्स की ट्रांसप्लांट टीम ने परिवार से बात की। पत्नी, दो बेटे और एक बेटी ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए अंगदान का फैसला लिया। पत्नी ने कहा- मेरे पति जाते-जाते किसी की जान बचा रहे हैं, तो हमें गर्व है। बताया जाता है कि एम्स में एक साल से कैडेवर डोनेशन के लिए कोशिशें चल रही थीं, लेकिन 31 बार ब्रेन डेड मरीजों के परिजन तैयार नहीं हुए। इस बार शंकरलाल के परिवार ने समाज को नई दिशा दी।

नृत्य की कार्यशाला

भोपाल. दोपहर मेट्रो। ग्रीष्मकालीन शिविर पर जवाहर बल भवन में नृत्य की कार्यशाला। *फोटो निर्मल व्यास*

2 जून से शुरू होगी राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड की परीक्षा

समस्या के समाधान के लिए ओपन बोर्ड ने बनाया कंट्रोल-रूम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड (राज्य ओपन स्कूल) की कक्षा-10वीं एवं 12वीं के लिए संचालित रुक जाना नहीं योजना, आ लौट चलें योजना, ओपन स्कूल (परम्परागत), आईटीआई परीक्षा, सीबीएसई ऑन डिमांड परीक्षा और कक्षा-5वीं-8वीं की आगामी परीक्षा 2 जून से शुरू हो रही है। यह परीक्षाएं 20 जून, 2025 तक प्रदेश के सभी जिला मुख्यालय में विभिन्न केन्द्रों पर आयोजित की जा रही हैं। इन परीक्षाओं के प्रवेश-पत्र जारी कर दिये गये हैं, जो मध्यप्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड की वेबसाइट से डाउनलोड किये जा सकते हैं। परीक्षा में शामिल होने वाले आवेदक किसी भी प्रकार की सहायता कार्यालय के कंट्रोल-रूम के फोन नम्बर-0755-2552106 से प्राप्त कर सकते हैं।

मानव अधिकार आयोग ने बुलाए इंटर्नशिप के लिए आवेदन

आवेदन की अंतिम तिथि 10 जून तक है

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र मानव अधिकार आयोग में विधि संकाय के विद्यार्थियों के लिए ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम के अंतर्गत मानव अधिकार एवं आयोग की कार्यप्रणाली के संबंध में एक माह का प्रशिक्षण सत्र 16 जून से 15 जुलाई 2025 तक आयोजित किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण में पांच वर्षीय पाठ्यक्रम के तृतीय, चतुर्थ एवं पंचम वर्ष के विद्यार्थी पात्र होंगे एवं तीन वर्षीय पाठ्यक्रम के अंतिम तृतीय वर्ष के विद्यार्थी पात्र माने जायेंगे। इच्छुक विद्यार्थीगण पहले आओ - पहले पाओश्श् के आधार पर आवेदन करने पर कुल 30 (तीस) विद्यार्थी नामांकित होंगे। नामांकन के लिए आयोग कार्यालय से निर्धारित प्रारूप में आवेदन जमा करना होगा। आवेदन की अंतिम तिथि 10 जून, 2025 (मंगलवार) तक है। अधिक जानकारी के लिये आयोग के दूरभाष 0755-2572034 या आयोग के शोध अधिकारी संजय कुमार विश्वकर्मा के मोबाईल नंबर 9131358493 पर सम्पर्क कर सकते है।

धनोपिया प्रांतीय नामदेव छीपा महासभा के निर्विरोध अध्यक्ष

भोपाल। मप्र प्रांतीय नामदेव छीपा महासभा के चुनाव में राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व अध्यक्ष व वरिष्ठ कांग्रेस नेता जेपी धनोपिया एडवोकेट को पुनः अगले 5 वर्षों के लिए महासभा का निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। चुनाव अधिकारी सुरेन्द्र बाड़ीका द्वारा निर्वाचन संपन्न कराया गया। जिसमें अखिल भारतीय श्रीनामदेव छीपा महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीराम सोपरा जयपुर, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मेजर जेपी वर्मा बड़ोदरा, राष्ट्रीय महासचिव अवधेश पाण्डेय जयपुर के अलावा मध्यप्रदेश प्रांतीय नामदेव छीपा महासभा के कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों के अलावा नामदेव छीपा युवा परिषद के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर — जल्द उच्च-स्तरीय बैठक करेंगे रामेश्वर शर्मा

सिविल अस्पताल: सुविधाओं पर विधायक गंभीर

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो। सिविल अस्पताल की मौजूदा व्यवस्थाओं और सुविधाओं को लेकर स्थानीय विधायक रामेश्वर शर्मा ने गंभीरता दिखाई है। उन्होंने अस्पताल की रोगी कल्याण समिति, अस्पताल प्रबंधन और अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ शीघ्र ही एक उच्च-स्तरीय बैठक करने के निर्देश दिए हैं। दरअसल, मंगलवार को रोगी कल्याण समिति के सदस्यों, जिनमें बसंत चेलानी, हरीश मुलानी, भाजपा मंडल अध्यक्ष मनीष बागवानी, चंद्र नागदेव, कन्हैयालाल मोटवानी, सूरज यादव और उमेश नागर ने सिविल अस्पताल का दौरा किया। उन्होंने अधीक्षक डॉ. जे.के. जैन के साथ चर्चा की। बैठक के बाद समिति के सदस्यों ने हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा से मुलाकात कर अस्पताल की व्यवस्थाओं पर गहन चर्चा की। उन्होंने विधायक को अवगत कराया कि कोरोना के बढ़ते

मामलों को देखते हुए अस्पताल में मरीजों को और बेहतर इलाज की सुविधाओं की तत्काल आवश्यकता है। विशेष रूप से, प्रसूति के लिए आने वाली महिलाओं और दुर्घटना के मामलों में त्वरित चिकित्सा सुविधाएँ सुनिश्चित करने पर ज़ोर दिया गया।

डॉक्टरों की कमी- समिति ने अस्पताल में डॉक्टरों की कमी और नवीन बिल्डिंग के कार्य को शीघ्र पूरा करने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी विधायक का ध्यान आकर्षित किया। श्री रामेश्वर शर्मा ने सभी बातों को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि वह जल्द ही सिविल अस्पताल का दौरा करेंगे और अधीक्षक के साथ मिलकर इन सभी समस्याओं पर विचार-विमर्श कर समाधान निकालेंगे।

नई बिल्डिंग 30 जून तक

अस्पताल अधीक्षक डॉ जेके जैन के सामने कोराना की स्थित से निपटने पर भी समिति सदस्यों ने चर्चा की। अधीक्षक ने कहा, स्वास्थ्य विभाग से जिस तरह के निर्देश मिलेंगे, उसके आधार पर आगे बढ़ेंगे। अधीक्षक ने बताया कि 30 जून तक नई बिल्डिंग बनकर तैयार हो जाएगी। जल्द ही स्वास्थ्य सुविधाएं और बेहतर तरीके से रोगियों तक पहुंच सकेंगी।

पीएचक्यू कर रहा कवायद

आरक्षकों का कॉडर भी राज्य स्तरीय होगा, घर के 'पास' आ सकेंगे

भोपाल. दोपहर मेट्रो। मध्यप्रदेश में पुलिस आरक्षकों का राज्यस्तरीय कॉडर बनाने की तैयारियां चल पड़ी हैं। पुलिस मुख्यालय की इस कवायद का लाभ यह होगा कि आरक्षकों का शासन की निर्धारित नीति के अंतर्गत एक से दूसरे जिले में स्थानांतरण होने लगेगा। राज्यस्तरीय काडर में मिलने वाले अन्य लाभ भी उन्हें मिलने लगेंगे। अभी कुछ पुलिसकर्मी अपने गृह जिले से 500 किमी से अधिक दूर पदस्थ होते हैं। पुलिस आरक्षक संवर्ग में बड़ी संख्या ग्वालियर-चंबल अंचल के पुलिसकर्मियों की है। आसपास के जिलों में पदस्थापना के बाद चयनित कुछ आरक्षकों को दूर के जिलों में जाना पड़ता है।

जानकार सूत्रों का कहना है कि गृह विभाग और विधि विभाग में प्रस्ताव के परीक्षण के बाद स्वीकृति के लिए इसे कैबिनेट में प्रस्तुत किया जाएगा। अभी गृह जिला आवंटित करने का नियम ही नहीं है। गृह जिले के आसपास का जिला भी पुलिसकर्मियों को नहीं मिल पाता। कारण, आरक्षक पद में जिलों से चयन का अनुपात अलग-अलग है। किसी जिले से अधिक लोग चयनित होते हैं तो किसी से कम। जहां से ज्यादा उम्मीदवार चयनित होते हैं, वहां के आरक्षकों में कुछ को पास का जिला मिल जाता है, पर बाकी को दूर जाना पड़ता है। अभी यह नियम है कि सेवानिवृत होने के एक वर्ष पहले पुलिसकर्मी को गृह जिला आवंटित किया जाता है, पर सच्चाई यह है कि औपचारिकताओं में देरी के चलते सेवा के औसतन छह माह शेष होने पर ही उन्हें गृह जिला मिल पाता है। हालांकि, अभी माओवादी समस्या से पीड़ित बालाघाट, मंडला और डिंडौरी में पुलिसकर्मियों को गृह जिला देने की तैयारी है। इसका प्रस्ताव भी पुलिस मुख्यालय ने मुख्यमंत्री मोहन यादव की उपस्थिति में हुई एक बैठक में प्रस्तुत किया था, जिसका परीक्षण शासन स्तर पर किया जा रहा है।

राजस्व अमला 'घर' से दूर होगा !

उधर पटवारियों के लिए जारी तबादला नीति की जद में अब राजस्व निरीक्षक भी आ गए हैं। पटवारियों को गृह तहसील से हटाने के फैसले के बाद अब राजस्व विभाग ने कलेक्टरों से कहा है कि अगर कोई राजस्व निरीक्षक अपने गृह क्षेत्र के राजस्व अनुविभाग (एसडीएम क्षेत्र) में पदस्थ है तो उसे भी हटाया जाए। यानि पटवारियों का तबादला करने के साथ राजस्व निरीक्षकों को भी स्थानांतरित करने की कार्यवाही की जाए। विभाग ने कहा है कि 29 अप्रेल को जारी तबादला नीति के आधार पर ही कार्यवाही की जाना है। इसलिए अगर कोई पटवारी गृह तहसील और राजस्व निरीक्षक गृह अनुविभाग (एसडीएम सर्कल) में पदस्थ है तो पटवारियों की संविलयन और स्थानांतरण नीति के आधार पर राजस्व निरीक्षक भी स्थानांतरित किए जाएं।

मप्र में बनेगा नदी ग्रिड, टियर 2 व टियर 3 शहर बनेंगे विकसित

नीति आयोग की सलाह

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

केंद्र की तरह मप्र भी नदी ग्रिड पर काम करेगा। इसमें मप्र में बहने वाली छोटी नदियों को आपस में जोड़ा जाएगा, ताकि वे 12 महीने प्रवाहमान बनी रहे। इससे निस्तार के लिए लोगों को पानी मिल सकेगा। पानी की जरुरतें भी पूरी होंगी। भोपाल, इंदौर, जबलपुर व ग्वालियर की तर्ज पर छोटे शहर जो कि टियर-2 और टियर-3 की श्रेणी में आने वाले शहरों का विकास किया जाएगा, ताकि बड़े शहरों पर दबाव न आए और शहरों के विकेंद्रीकरण की प्रक्रिया जारी रखी जा सके। नीति आयोग ने ये सलाह सभी राज्यों को दी है। सीएम मोहन यादव ने मंत्रियों को इससे अवगत कराया और कहा है कि अब इस दिशा में तेजी से काम करना है। जानकारी के मुताबिक ति आयोग ने यह भी कहा है कि प्रत्येक राज्यों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के पर्यटन स्थल विकसित करने होंगे, ताकि दुनिया भर के पर्यटकों को अपनी ओर खींच सकें। ऐसा करने से राज्य में आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी। राज्य व जनता दोनों को इसका लाभ होगा। सीएम ने बताया कि 29 मई से 12 जून तक केंद्र सरकार के निर्देश पर 723 जिलों में इंडियन काउंसिल आफ एग्रीकल्चर रिसर्च (आईसीएआर) के माध्यम से कृषि जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाएगा। इसमें आईसीएआर के चार-चार वरिष्ठ वैज्ञानिक हर जिले में जाएंगे और किसानों को जलवायु, पानी व मिट्टी परीक्षण कर उनके एग्रो क्लायमेटिक जोन के अनुसार प्राकृतिक खेती, जैविक खेती और बागवानी सहित उन्नत कृषि करने के बारे में जानकारी एवं सलाह भी देंगे। उन्होंने कहा कि आईसीएआर के कार्यक्रम के दौरान संबंधित जिले के प्रभारी मंत्री एवं कृषि विभाग के अधिकारी कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे और आईसीएआर को सभी जरूरी सहयोग भी करेंगे।

जूडा की नई कार्यकारिणी बनी, डॉ. गुप्ता अध्यक्ष बने

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मप्र जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन (जूडा) की नई कार्यकारिणी का गठन हो गया है। इसमें सर्वसहमति से गांधी मेडिकल कॉलेज के डॉ. कुलदीप गुप्ता को अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। डॉ. गुप्ता ने कहा कि मेडिकल स्टूडेंट्स के लिए कॉलेजों में एक बेहतर और सुरक्षित वातावरण तैयार करना लक्ष्य है। वहीं, उपाध्यक्ष के पद के लिए डॉ. आकाश, डॉ. शिवम और आयुष को चुना गया है। बता दें, इस बार वाइस प्रेसिडेंट की जिम्मेदारी 3 जूनियर डॉक्टरों को दी गई है। जबकि पिछले वर्ष दो ही उपाध्यक्ष थे। महासचिव डॉ. रुद्रिका भटेले को बनाया गया है। सचिव के लिए डॉ. निखिल अग्रवाल, डॉ. विमल मेहरा और डॉ. नखत राम का चयन किया गया है। वहीं, डॉ. आयुष जैन, डॉ. विजय सिंह रजक और श्रेयांश द्विवेदी को सहसचिव का पद सौंपा गया है।

मध्यक्षेत्र बिजली कंपनी का नया फार्मूला

बिजली की चोरी रोकने अमले को 10 फीसद कैश प्रोत्साहन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अब मप्र के भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर संभाग के जिलों में बिजली चोरी पकड़ने के लिए मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी ने कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने का फार्मूला इजाद किया है। कम्पनी ने कहा है कि बिजली चोरी पक?वाने वाले कम्पनी के आउटसोर्स, संविदा और नियमित अधिकारियों, कर्मचारियों को कम्पनी द्वारा प्रोत्साहन राशि दी जाएगी बशर्ते चोरी का मामला सही पाया जाए। चोरी की गई बिजली की बिलिंग की दस प्रतिशत प्रोत्साहन राशि संबंधित को मिलेगी। कंपनी द्वारा बिजली चोरी की रोकथाम के लिए चलाई जा रही पारितोषिक योजना में यह व्यवस्था की गई है। इस राशि में से पांच प्रतिशत राशि का भुगतान संबंधित सूचना देने वालों को सूचना सही पाए जाने पर जारी किए गए अंतिम रूप से तय किए गए बिजली चोरी के आदेश के तुरंत बाद किया जाएगा तथा शेष पांच प्रतिशत राशि पूर्ण वसूली के बाद दी जाएगी।

ऑनलाइन भी सूचना, रहेगी गोपनीय

कंपनी ने कहा है कि बिजली चोरी की सूचना देने वालों में कम्पनी के नियमित कर्मचारी, संविदा कर्मचारी, आउटसोर्स कर्मचारी भी हो सकते हैं। सूचना सही पाए जाने पर जांच में

मिली अनियमितता के विरुद्ध भुगतान के लिए जारी किए गए बिल की पूर्ण वसूली के बाद क्षतिपूर्ति राशि का एक प्रतिशत सूचना देने वाले को मिलेगा। कंपनी ने सूचना प्रक्रिया के बारे में बताया कि अब पारितोषिक योजना की पूरी जानकारी जैसे बिलिंग और भुगतान से संबंधित गतिविधियों को ऑनलाइन कर दिया गया है। सूचना देने वाले को कंपनी के पोर्टल पर गुप्त रूप से दिए गए प्रारूप में अपना बैंक खाता, पहचान क्र. (आधार या पेन नम्बर) देना अनिवार्य होगा। जानकारी गोपनीय रखते हुए कंपनी मुख्यालय से प्रोत्साहन की राशि सीधे संबंधित सूचना देने वाले के बैंक के खाते में ट्रांसफर की जाएगी। योजना में सूचना देने वाले को तय शर्तों के अधीन पारितोषिक देने का प्रावधान है इस राशि की अधिकतम सीमा नहीं है। इसके अलावा उपाय एप के माध्यम से भी बिजली चोरी की सूचना दी जा सकती है।

निटर में राजभाषा-जनसंपर्क प्रकोष्ठ sk का नया परिसर

भोपाल। राजधानी स्थित राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर) में राजभाषा एवं जनसंपर्क प्रकोष्ठ के नविन परिसर का विधिवत उद्घाटन हुआ। परिसर का उद्घाटन हिंदी लेखिका वंदना त्रिपाठी द्वारा किया गया। इस अवसर पर वंदना त्रिपाठी ने कहा की ÷मातृभाषा और संस्कृति से जुड़े रहना केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक सौभाग्य भी है। उल्लेखनीय है की निटर भोपाल राजभाषा संबंधित अनुदेशों के पालन करने में हमेशा से अग्रणी रहा है एवं संस्थान के कार्यों को राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार एवं सराहना प्राप्त हुई है। इस अवसर पर निटर भोपाल की 26 वर्षों से निकल रही राजभाषा पत्रिका संपर्क सरिता के नये अंक का विमोचन भी किया गया। इस परिसर में संस्थान की राजभाषा एवं समाचार पत्रों में प्रकाशित विभिन्न गतिविधियों पर आधारित वीथिका का निर्माण भी किया गया है। संस्थान के निदेशक डॉ. सी.सी. त्रिपाठी ने कहा की नये प्रकोष्ठ एवं वीथिका का निर्माण मातृभाषा और विरासत के संरक्षण की दिशा में मजबूत कदम है। यह परिसर हमें न केवल हमारी राजभाषा हिंदी में रचे गए इतिहास से जोड़ता है, बल्कि हमें उस गौरवशाली परंपरा का साक्षी भी बनाता है।

सीएम ने ली छात्राओं के साथ सेल्फी...

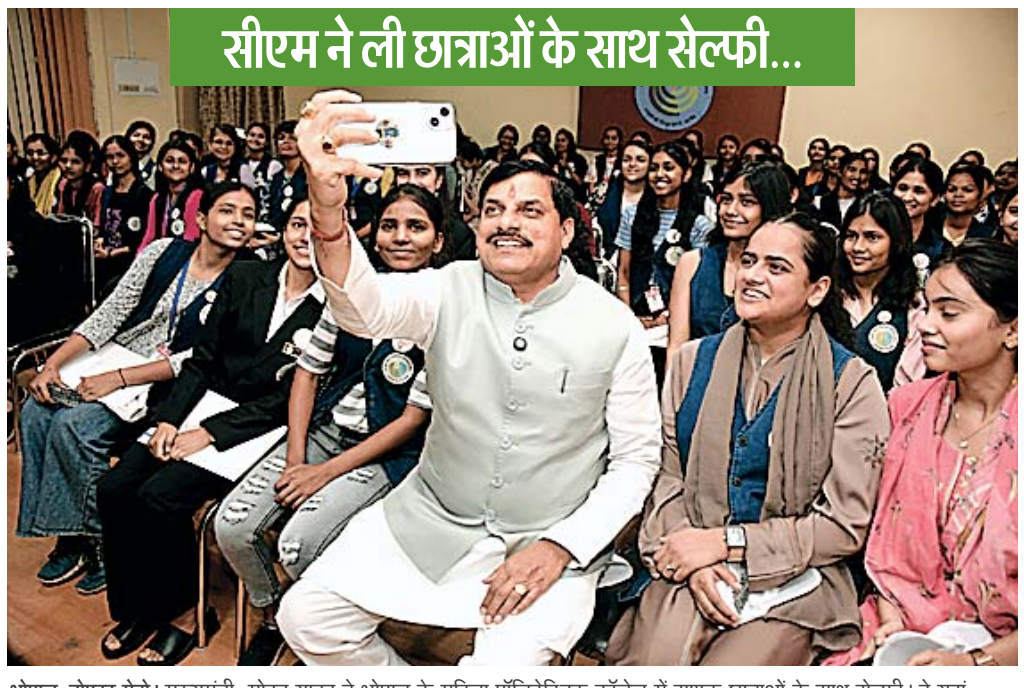

भोपाल. दोपहर मेट्रो। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भोपाल के महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज में सशक्त छात्राओं के साथ सेल्फी। वे यहां कॉलेज का निरीक्षण करने पहुंचे थे और छात्राओं द्वारा तैयार किए गए विभिन्न माडल आदि की जानकारी ली।

डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के प्रचार रथ को हरी झंडी

भोपाल। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने मंगलवार को भोपाल स्थित सरदार वल्लभ भाई पॉलीटेक्निक महाविद्यालय से, रोजगारोन्मुखी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में शत-प्रतिशत प्रवेश के संबंध में प्रचार-प्रसार एवं विद्यार्थियों को प्रवेश के लिए जागरूक करने के उद्देश्य से तैयार प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रथ 10वीं पास विद्यार्थियों के लिए लाभदायक होंगे। यह प्रचार रथ, भोपाल शहर एवं आस-पास के गांवों में तकनीकी शिक्षा अंतर्गत संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों, प्रवेश की प्रक्रिया एवं अन्य जानकारियों से विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को अवगत कराएगा। बता दें कि संचालनालय तकनीकी शिक्षा द्वारा सत्र 2025-26 के लिए तकनीकी एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ की जा चुकी है। इस अवसर पर आयुक्त तकनीकी शिक्षा अवधेश शर्मा सहित विभिन्न अधिकारी, महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर | गोल्डन ऑवर में मदद करने पर एक साल में अधिकतम पांच पुरस्कार

'राह-वीर' को सड़क हादसों में जान बचाने वालों को मिलेगा 25 हजार रुपए का इनाम

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

केंद्र सरकार ने सड़क दुर्घटनाओं में घायलों की जान बचाने वाले आम नागरिकों को सम्मानित करने के लिए 'राह-वीर योजना' शुरू की है। इस योजना के तहत, गंभीर सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की मदद कर जान बचाने वाले को 25,000 का नकद पुरस्कार और प्रशंसा-पत्र दिया जाएगा। इसके लिए केन्द्र सरकार ने राज्य सरकारों को निर्देश दिए हैं कि वे प्रिंट, डिजिटल और सोशल मीडिया के माध्यम से योजना का व्यापक प्रचार करें ताकि अधिक लोग आगे आएं और दुर्घटना में घायल लोगों का जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। यदि कोई व्यक्ति घायल को सीधे अस्पताल या पुलिस के माध्यम से चिकित्सा सुविधा तक पहुंचाता है, तो पुलिस या अस्पताल द्वारा प्रमाण-पत्र जारी किया जाएगा। इसके बाद जिला स्तर पर समिति मामले की जांच कर नाम की अनुशंसा करेगी। परिवहन विभाग द्वारा राशि सीधे बैंक

खाते में भेजी जाएगी। मोटर वाहन अधिनियम 2019 के अनुसार, किसी भी राह-वीर के खिलाफ बिना उसकी सहमति के कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की जा सकेगी। राह-वीर की जानकारी केवल योजना के लिए प्रयुक्त होगी, अन्य किसी उद्देश्य से नहीं।

क्या है 'राह-वीर योजना'

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की इस योजना का उद्देश्य आम नागरिकों को सड़क दुर्घटना में घायल लोगों की मदद के लिए प्रोत्साहित करना है। योजना विशेष रूप से उन नागरिकों को सम्मानित करेगी जो दुर्घटना के गोल्डन ऑवर (पहले एक घंटे) के भीतर पीड़ित को चिकित्सा सुविधा तक पहुँचाकर उसकी जान बचाते हैं। दुर्घटना के बाद का पहला एक घंटा होता है, जिसमें समय पर चिकित्सा सहायता मिलने पर घायल की जान बचाई जा सकती है।

योजना की प्रमुख बातें

- प्रत्येक राह-वीर को 25 हजार रुपए नकद पुरस्कार और प्रशंसा-पत्र
- एक व्यक्ति अधिकतम 5 बार वार्षिक पुरस्कार के पात्र।
- यदि एक से अधिक राह-वीर किसी एक पीड़ित की जान बचाते हैं, तो राशि सभी में समान रूप से बांटी जाएगी।
- यदि एक से अधिक राह-वीर ने एक से अधिक पीड़ितों को बचाया, तो प्रत्येक पीड़ित के लिए 25 हजार दिया जाएगा।
- 10 सर्वश्रेष्ठ राह-वीरों को हर साल राष्ट्रीय स्तर पर 1 लाख, ट्रॉफी और प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया जाएगा
- गंभीर दुर्घटनाओं में ही योजना का लाभ मिलेगा

– जैसे मस्तिष्क या रीढ़ की चोट, बड़ा ऑपरेशन, कम से कम 3 दिन अस्पताल में भर्ती या मृत्यु

संपादकीय

भरोसा बहाली का भरोसेमंद कदम

पहलगाम में आतंकी हमले के बाद से हालातों को सामान्य बनाना बहुत जरूरी होता जा रहा है, ताकि लोगों में परस्पर विश्वास की बहाली हो और राज्य के रोजगार का मुख्य जरिया यानि पर्यटन फले-फूले। इसीलिये जम्मू-कश्मीर कैबिनेट की विशेष बैठक का पहलगाम में आयोजन विश्वास बहाली की दिशा में अहम प्रयास है। इससे देश के लोगों में तो भरोसा जागेगा ही, सीमापार तक भी यह संदेश पहुंचेगा कि आतंकी गतिविधियां जम्मू-कश्मीर की तरक्की को रोक नहीं सकतीं। उल्लेखनीय होगा कि सरकारी आंकड़े गवाही देते हैं कि विशेष दर्जा खत्म होने और केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद से जम्मू-कश्मीर में पर्यटकों की आमद बढ़ी है। विधानसभा में पेश रिपोर्ट के मुताबिक, 2021 से 2024 के बीच 7.49 करोड़ से ज्यादा टूरिस्ट यहां पहुंचे थे। इसमें से लगभग एक करोड़ ने घाटी की सैर की। जम्मू के मुकाबले कश्मीर का डेटा भले कम हो, लेकिन इसमें लगातार बढ़ोतरी हो रही है। अच्छी बात यह रही कि इस दरम्यान कश्मीर में विदेशी पर्यटक अधिक आए, 2024 में 65 हजार से भी ज्यादा। ये आंकड़े केवल पर्यटन का हाल नहीं बताते, बल्कि साबित करते हैं कि जम्मू-कश्मीर, खासकर घाटी में चीजें सामान्य हो रही थीं। जो इलाका आतंकवाद का दंश दशकों से झेल रहा था, वह पूरे भारत के साथ कदमताल करने लगा था। आतंकी इसी पर चोट करना चाहते थे और पहलगाम हमले का मकसद यही था। इसी वजह से पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों ने टारगेट किलिंग कर देश में सांप्रदायिक उन्माद फैलाने की कोशिश की। पहलगाम के बाद जम्मू-कश्मीर के तमाम पर्यटक स्थलों को बंद कर दिया गया था और होटल-टैक्सी वगैरह की 90 प्रतिशत तक बुकिंग कैंसल हो गई थीं। यह झटका केवल उनके लिए नहीं है, जिनका रोजगार सीधे पर्यटन से जुड़ा हुआ है, यह चोट पूरे राज्य की आर्थिक सेहत और टूरिज्म बढ़ाने के लिए हाल के बरसों में किए गए तमाम प्रयासों पर है। सीएम उमर अब्दुल्ला ने ठीक कहा कि अगर हम इन जगहों पर नहीं जाएंगे तो कौन जाएगा। अगर बंदूकों से डरकर घाटी को अकेला छोड़ दिया जाता है, तो यह आतंकी मंसूबों की जीत होगी। यही तो वे चाहते हैं। उनकी गोलियों का जवाब देने के साथ-साथ यह संदेश भी पहुंचना चाहिए कि हिंदुस्तान के किसी कोने में आतंकवाद के लिए कोई जगह नहीं है। उमर ने पहलगाम की सड़कों पर साइकिल चलाकर भी लोगों में हिम्मत जुटाने, एक रहने का संदेश दिया है। उमर अब्दुल्ला ने नीति आयोग की बैठक में यह सुझाव भी दिया था कि पीएसयू के लिए कश्मीर में बैठक करना अनिवार्य होना चाहिए। साथ ही, संसदीय समितियों को भी घाटी में जाकर मीटिंग करनी चाहिए। ये कदम छोटे-छोटे ही सही, पर स्थानीय लोगों में सुरक्षित होने का अहसास पैदा करने के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। इस कड़ी में पूर्व सीएम फारूक अब्दुल्ला की यह बात भी गौर करने लायक है कि केवल टूरिज्म पर निर्भर न रहकर इंडस्ट्री लाई जाए। इससे तमाम दूसरे रास्ते अपने आप खुल जाएंगे। लेकिन इन सभी के ऊपर यह बात जरूरी है कि जम्मू कश्मीर को पूरी तरह से आतंकवाद मुक्त किया जाए। बीते करीब तीन दशक से यह आतंकवाद कश्मीर को अपनी चपेट में लिये हुए हैं, सुरक्षाबल व सरकार इसे रोकने व खत्म करने में पूरी ताकत झोके हुए है, इस बार वक्त है कि इसका अंत किया जाए क्योंकि पूरा देश इस बार एकमत है कि आतंक और उसके सरपस्तों को उन्ही की भाषा में जवाद दे ही दिया जाए।

एशिया को निगल रहा युद्ध का अजगर

■ डॉ. सुधा कुमारी

धरती के उत्तरी गोलार्द्ध (नॉर्थ हेमिस्फियर) का वातावरण असाधारण युद्ध कौशल से भरा है। यहाँ कई युद्ध, महायुद्ध और दो विश्व युद्ध हो चुके हैं। दूसरा विश्व युद्ध 1945 तक समाप्त हो गया और उसकी विभीषिका को देख फिर किसी की हिम्मत नहीं हुई ऐसे युद्ध की स्थिति में पढ़ने की। यूरोप, उत्तर अमेरिका और दक्षिण अमेरिका महाद्वीपों में युद्ध से बचने की सद्बुद्धि और परिपक्वता आ गयी थी। वे कटुता आने पर भी आपस में युद्ध की ओर नहीं बढ़े। पर कहते हैं न कि खिलाड़ी, पहलवान और सैनिक यदि अपना अभ्यास छोड़ दें तो कमजोर हो सकते हैं। इसलिए 'कोल्ड वॉर' यानी बिना युद्ध के लड़ना तो जारी रहा पर केवल तीसरी दुनिया के महाद्वीप के साथ। यूरोप, उत्तर अमेरिका और दक्षिण अमेरिका महाद्वीपों में अधिकाँश लोग एक धर्म को मानते हैं, अतः धर्म का टकराव युद्ध के रूप में कम दिखता है। लेकिन तीसरी दुनिया, विशेष रूप से एशिया जहां विभिन्न प्रकार के धर्म जैसे हिन्दू, मुसलमान, बौद्ध बहुतायत में हैं, में धर्म का टकराव बड़े संघर्ष के रूप में दिखता है। पिछले कटु अतीत या शत्रुता को लेकर आए दिन बवाल होता है, गृहयुद्ध के साथ सीमा पर युद्ध की कगार पर भी पहुँच जाता है। यहाँ अपने गौरवमय अतीत और विशाल साम्राज्य को याद कर आए दिन साम्राज्यवाद की ओर बढ़ते कदम दिखाई देते हैं। एशिया के देशों में युद्ध से बचने की कला आने में देर हो रही है।विश्व युद्ध समाप्त होने पर भी विकसित देशों में हथियारों का उत्पादन और व्यापार बहुत बड़ा है। युद्ध कला में पारंगत और हथियारों के व्यापारी जिन्हें सदियों से तीसरी दुनिया- एशिया और अफ्रीका-में जाकर लड़ने, उपनिवेश बनाने और वहां के दुर्लभ प्राकृतिक साधन का दोहन करने की आदत लग चुकी हो वे करें तो क्या करेंड़ तीसरी दुनिया के अलावा जाएं तो कहाँ जाएंड़ अपना सामान और युद्ध के हथियार बेचें तो कहाँ बेचेंड़ सबका ध्यान आर्थिक प्रगति कर रहे भारी जनसंख्या वाले देशों पर केन्द्रित रहता है जहां अशिक्षा और गरीबी अभी भी विचारणीय विषय हैं।

विकसित देशों का तीसरी दुनिया पर अवांछित ध्यान (अनवांटेड अटेंशन) इन देशों को गरीबी, ऋण, और गुलामी के जाल में फँसा सकता है। यदि ये विकसित देश कृपा करके एशिया में शिक्षा बड़ाने, व्यापार बड़ाने और शांतिपूर्वक आर्थिक प्रगति करने पर ध्यान दें और उनके आंतरिक विषय में दखल न दें तो स्थिति सुधर सकती है। लेकिन वे मानते कहाँ हैंड़ सदा एशिया के आसपास मंडराते रहना और उसके आंतरिक विषय में दखल देना उनकी आदत है। यहाँ आपस में गहरा मनमुटाव होना, युद्ध भड़कना (और भड़काना) काफी आसान काम है। इससे हथियार का व्यापार भी सुचारू रूप से चलता रहता है।एक सामान्य सी बात है कि पडोसी के घर में भी हस्तक्षेप करना आपत्तिजनक माना जाता है। फिर दूर के देशों पर पूरे समय निगरानी करना, आंतरिक हस्तक्षेप करना तो और अधिक आपत्तिजनक बात है। आश्चर्य तो यह देखकर होता है कि कई देश जो प्रजातंत्र की स्थापना के नाम पर तीसरी दुनिया के शासन में दखल देते हैं, उनके अपने यहाँ राजतन्त्र चलता है और चुना हुआ प्रधान मंत्री भी राजा के नाम पर सारे काम करता है।

भारत जैसा देश जो युद्ध कभी नहीं चाहता और उसके पडोसी देश जो भारत से युद्ध नहीं चाहते, को कूटनीतिक उपाय से उकसाकर उनपर युद्ध थोपा जाता है। एशिया के तीन बड़े देशों में से एक अबतक युद्ध में धकेला जा चुका है, दूसरा युद्ध जैसी परिस्थिति में पड़ चुका है और तीसरा उसकी ओर बड़ रहा है।एशिया को निगल रहा है युद्ध का अजगर- लगातार, हर दिन, हर पल और इसके खतरे से अनजान सब आपस में लड़े जा रहे हैं.....

आर्थिक रूप से कम प्रगतिशील एशिया को उपनिवेश बनाने, वहां के दुर्लभ प्राकृतिक साधन का दोहन करने और उनको लड़ाई के लिए हथियार बेचने के अलावा एक अन्य दृष्टिकोण भी है। वह है- एशिया में तीन बड़ी शक्तियों का होना और उनकी शक्ति से दुखी देशों की सैटेलाईट जैसी तेज दृष्टि तीनों पर बनी रहना। यहाँ पर उसकी चादर मेरी चादर से ज्यादा सड़ेद क्योंड़÷ वाली उक्ति चरितार्थ होती ह। इसलिए एशिया के बड़े देशों को कमजोर करने के लिए भी जानबूझकर युद्ध में बलपूर्वक धकेला जाता है। भारत जैसा देश जो युद्ध कभी नहीं चाहता और उसके पडोसी देश जो भारत से युद्ध नहीं चाहते, को कूटनीतिक उपाय से उकसाकर उनपर युद्ध थोपा जाता है। एशिया के तीन बड़े देशों में से एक अबतक युद्ध में धकेला जा चुका है, दूसरा युद्ध जैसी परिस्थिति में पड़ चुका है और तीसरा उसकी ओर बड़ रहा है।एशिया को निगल रहा है युद्ध का अजगर- लगातार, हर दिन, हर पल और इसके खतरे से अनजान सब आपस में लड़े जा रहे हैं। इसका लाभ कोई और शक्ति उठा रही है और विकसित से अति विकसित होती जा रही है। इस अजगर से स्वयं को छुडाकर इसको समाप्त करना आवश्यक है। अभी भी लोग संभल जाएँ कि एशिया कोई युद्ध का मैदान नहीं, विकसित होने की क्षमता वाला महाद्वीप है तो यह सचमुच में विकसित बन सकता है। बाहरी शरारती तत्त्वों से बचने और किसी देश के आंतरिक विषय को बचाकर रखने के लिए आवश्यक है- गूगल, ईमेल, फेसबुक, इन्स्टाग्राम और व्हाटसएप पर निर्भर होने की जगह देसी उपाय विकसित करना। दूसरे देश भागने और अपने देश को नीचा दिखाने से कहीं अच्छा है अपने देश का आर्थिक और सामाजिक विकास करना, दूसरों के बहकावे में न आना और पडोसी से सहयोग और व्यापार सम्बन्ध सुधारना।

- साभार यह लेखक के अपने विचार हैं

अच्छी बात का महत्व भी तभी है, जब वह अच्छे व्यक्ति द्वारा कही गयी हो। खराब व्यक्ति द्वारा कही गयी अच्छी बात भी अक्सर किसी खराब बात का औचित्य ठहराने का हथियार-भर होती है...

महाराणा प्रताप : शौर्य, बलिदान एवं साहस का अमिट आलेख

■ ललित गर्ग

महाराणा प्रताप जन्म जयंती विशेष

हमारा देश भारत जिसे आस्था और विश्वास, शौर्य एवं शक्ति, बहादुरी और साहस, राष्ट्रभक्ति और स्वाभिमान की वीरभूमि कहा जाता है, जहां की सभ्यता और संस्कृति विश्व की प्राचीनतम संस्कृति में शुमार है, जिसका अनुसरण संपूर्ण विश्व करता है। भारत की भूमि महान योद्धाओं की भूमि रही है, जिन्होंने भारत की एकता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ऐसे ही एक वीर एवं साहसिक योद्धा एवं सच्चे भारतीय महानायक थे महाराणा प्रताप, जो राजपूतों के सिसोदिया वंश से संबंध रखते थे। महाराणा को भारत का प्रथम स्वतंत्रता सेनानी भी कहा जाता है, क्योंकि उन्होंने कभी अकबर के सामने समर्पण नहीं किया। मुगल साम्राज्य के विस्तार के विरुद्ध उनके प्रबल प्रतिरोध ने उन्हें भारतीय इतिहास में अमर बना दिया है। हल्दीघाटी के युद्ध में अकबर की विशाल सेना का सामना करते हुए उन्होंने जो वीरता दिखाई, वह आज भी शौर्य, पराक्रम, राष्ट्रभक्ति और स्वाभिमान की प्रेरणा देती है। उनके जीवन की घटनाएं गौरवमय इतिहास बनी है। वे एकलौते ऐसे महान् राजपूत योद्धा थे, जिन्होंने अकबर को चुनौती देने का साहस ही नहीं दिखाया बल्कि युद्ध के मैदान में लोहे के चने चबवाये।

महाराणा प्रताप का जन्म 9 मई 1540 को राजस्थान के कुंभलगड़ में हुआ था। जो हिंदू पंचांग के अनुसार ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि थी। जो इस वर्ष 29 मई को मनाई जाएगी। युवावस्था में ही महाराणा प्रताप ने तलवारबाजी, घुड़सवारी और युद्धनीति में महारत हासिल कर ली थी। उनकी जन्म जयंती न केवल उनके जन्म का उत्सव है, बल्कि उनके आदर्शों, विरासत और भारत की सांस्कृतिक धरोहर में दिए गए उनके अमूल्य योगदान का सम्मान भी है। महाराणा प्रताप और मुगल सम्राट अकबर के सेनापति राजा मानसिंह के बीच 8 जून 1576 में हल्दीघाटी का युद्ध हुआ था। महाराणा प्रताप ने लगभग 20 हजार सैनिकों के साथ 85 हजार की मुगल सेना से बहुत ही साहस, शौर्य, पराक्रम एवं बहादुरी के साथ सामना किया। दोनों सेनाओं के बीच गोगुडा के नजदीक अरावली पहाड़ी की हल्दीघाटी शाखा के बीच यह युद्ध हुआ। इस लड़ाई को हल्दीघाटी के युद्ध के नाम से जाना जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस युद्ध में न तो अकबर जीत सका और न ही राणा हारे। मुगलों के पास सैन्य शक्ति अधिक थी तो राणा प्रताप के पास जुझारू शक्ति की कोई कमी नहीं थी। उन्होंने आखिरी समय तक अकबर से संधि की बात स्वीकार नहीं की और मान-सम्मान के साथ जीवन व्यतीत करते हुए लड़ाइयां लड़ते रहे।

इस युद्ध में उनका प्रिय घोड़ा चेतक भी वीरगति को प्राप्त हो गया, लेकिन इसके बाद भी महाराणा प्रताप ने हार नहीं मानी और युद्ध जारी रखा। मुगल शासक अकबर ने मेवाड़ पर अपना अधिकार स्थापित करने की भरपूर कोशिश की। लेकिन महाराणा प्रताप ने कभी भी अकबर की अधीनता को स्वीकार नहीं किया और जीवन भर मुगलों के खिलाफ स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए संघर्ष करते रहे। उनका परिवार बहुत ही कठिन परिस्थितियों में रहा। वे कई सालों तक जंगलों, गुफाओं और पहाड़ियों में रहे। उन्होंने पेड़ों की छाल से बने साधारण कपड़े पहने और जंगली फल और जड़ें खाईं। उनकी पत्नी और बच्चे कभी-कभी घास की रोटी खाते थे। फिर भी, उन्होंने कभी आत्मसमर्पण नहीं किया या मुगलों के साथ समझौता नहीं किया। उनके शौर्य और वीरता की कहानी को आज भी बहुत ही गर्व के साथ याद किया जाता है। राजस्थानी भाषा के ख्यात कन्हैयालाल सेठिया की प्रसिद्ध राजस्थानी कविता 'पातल और पीथल' हल्दीघाटी युद्ध के बाद की घटनाओं पर आधारित राणा प्रताप के जीवन में आई कठिनाइयों और उनके संघर्ष को दर्शाती है।

आजाद भारत में महाराणा प्रताप जैसे शूरवीरों के त्याग एवं बलिदान, शौर्य एवं पराक्रम को विस्मृत करने की चेष्टायें व्यापक पैमाने पर हुई है। हमने इन असली महानायकों को भूलाकर अकबर एवं औरंगजेब जैसे आक्रांताओं को नायक बनाने की भारी भूल की है, नायक अकबर नहीं महाराणा प्रताप हैं, उन्होंने औरंगजेब को घुटने टेकने पर मजबूर किया और घुट-घुट कर मरने पर मजबूर किया। सनातन धर्म को नष्ट करने की साजिश करने वाले भारत के नायक कैसे हो सकतेड़ अकबर हो या औरंगजेब, हिन्दुओं एवं हिन्दू राष्ट्र के प्रति सबकी मानसिकता एक ही थी- भारत की सनातन परंपरा को रौंदने के लिए तमाम षड्यंत्र रचना एवं भारत की समृद्ध विरासत को लूटना। इसके विपरीत, महाराणा प्रताप ने अपने बलिदान से सनातन संस्कृति की रक्षा की। ये राष्ट्रनायक हमारी असली प्रेरणा हैं।

भारतीय इतिहास में जितनी महाराणा प्रताप की बहादुरी की चर्चा हुई है, उतनी ही प्रशंसा उनके घोड़े चेतक को भी मिली। कहा जाता है कि चेतक कई फीट ऊंचे हाथी के मस्तक तक उछल सकता था। कुछ लोकगीतों के अलावा हिन्दी कवि श्यामनारायण पांडेय की वीर रस कविता 'चेतक की वीरता' में उसकी बहादुरी की खूब तारीफ की गई है। जब मुगल सेना महाराणा के पीछे लगी थी, तब चेतक उन्हें अपनी पीठ पर लादकर 26 फीट लंबे नाले को लांघ गया, जिसे मुगल फौज का कोई घुड़सवार पार न कर सका। मेवाड़ की जनजाति 'भील' कहलाती है। भीलों ने हमेशा हर संकट एवं संघर्ष के क्षणों में महाराणा प्रताप साथ दिया। एक किवदंती है कि महाराणा प्रताप ने अपने वंशजों को वचन दिया था कि जब तक वह चित्तौड़ वापस हासिल नहीं कर लेते, तब तक वह पुआल यानी घास पर सोएंगे और पेड़ के पत्ते पर खाएंगे। आखिर तक महाराणा को चित्तौड़ वापस नहीं मिला। उनके वचन का मान रखते हुए आज भी कई राजपूत अपने खाने की प्लेट के नीचे एक पत्ता रखते हैं और बिस्तर के नीचे सूखी घास का तिनका रखते हैं।

महाराणा प्रताप का बचपन भील समुदाय के साथ बिता, भीलों के साथ ही वे युद्ध कला सीखते थे, भील अपने पुत्र को कीका कहकर पुकारते है, इसलिए भील महाराणा को भी कीका नाम से पुकारते थे। महाराणा प्रताप का दिल और दिमाग ही नहीं, बल्कि उनका शरीर भी साहसी एवं लोह समान था। कहा जाता है कि महाराणा प्रताप 7 फीट 5 इंच लंबे थे। वह 110 किलोग्राम का कवच पहनते थे, वह 25-25 किलो की 2 तलवारों के दम पर किसी भी दुश्मन से लड़ जाते थे। महाराणा प्रताप एक महान पराक्रमी और युद्ध रणनीति कौशल में दक्ष थे। उन्होंने मुगलों के बार-बार हुए हमलों से मेवाड़ की रक्षा की। उन्होंने अपने पूरे जीवन में कभी भी अपनी आन, बान और शान के साथ समझौता नहीं किया। उनको धन-दौलत की नहीं बल्कि मान-सम्मान की ज्यादा परवाह थी। अकबर के सामने महाराणा पूरे आत्मविश्वास से टिके रहे। एक ऐसा भी समय था, जब लगभग पूरा राजस्थान मुगल बादशाह अकबर के कब्जे में था, लेकिन महाराणा अपना मेवाड़ बचाने के लिए अकबर से 12 साल तक लड़ते रहे।

महाराणा प्रताप के देशप्रेम, साहस एवं समर्पण ने उनके लोगों को प्रेरित किया। भामाशाह ने एक बार सेना के पुनर्निर्माण में मदद करने के लिए अपनी सारी बचत और सोना दान कर दिया। अपने जीवन के अंतिम वर्षों में महाराणा प्रताप ने मुगलों से कई महत्वपूर्ण स्थानों को पुनः प्राप्त किया, जिनमें देवर, कुंभलगड़, रणकपुर और चावंड शामिल हैं। उन्होंने चावंड को अपनी नई राजधानी बनाया और अपने राज्य की स्थिति को सुधारने के लिए कड़ी मेहनत की। उन्होंने सड़कें, झीलें, मंदिर और सिंचाई प्रणालियाँ बनवाईं। महाराणा प्रताप सिर्फ योद्धा ही नहीं थे बल्कि एक अच्छे शासक भी थे। उन्होंने स्थानीय कला, कृषि और संस्कृति को महत्व दिया। उनका शासन न्याय और लोगों के कल्याण पर आधारित था। उनका निडर स्वभाव, दृढ़ता और अपनी भूमि के प्रति प्रेम उन्हें भारतीय इतिहास के सबसे महान प्रतीकों में से एक बनाता है। उन्होंने साबित कर दिया कि असली ताकत संख्या में नहीं, बल्कि चरित्र में होती है। वह अपनी बहादुरी, बलिदान और देशभक्ति के उदाहरण से पीढ़ियों को प्रेरित करते रहते हैं।

साभार

आज का इतिहास

- 1176 गुएल्फ्स एंड गिबेलिंस-द लोम्बार्ड के युद्धों ने वर्तमान इटली के लेगानो, लोम्बार्डो में पवित्र रोमन साम्राज्य की सेनाओं को हराया।
- 1453 कॉन्स्टेंटिनोपल की विजय के साथ, बीजान्टिन साम्राज्य ओटोमन्स के पास गिर गया
- 1658 औरंगजेब ने सामुगढ़ की लड़ाई में दारा शिकोह को पराजित किया
- 1724 पोप बेनेडिक्ट तेरहवें जो पियोरो ऑरसिनी का जन्म हुआ जो की 245 वे पोप के रूप में सफल हुए।
- 1727 पीटर-I 11 साल की उम्र में रूस का जार बना।

निशाना

लगे खेलने खेल !

है अभी शुरुआत ये ।
लगे खेलने खेल ।।
रहा यही यदि हाल ।
होगा कैसे मेल ?
सारे चतुर खिलाड़ी ।
रहे हैं पासा फेंक ।।
है गद्दी का मामला ।
मतभेद भी अनेक ।।
होंगे कैसे एकजुट ?
है वही सवाल ।।
हो रही ना शांति ।
बस केवल बवाल ।।
एकता की बात थी ।
होते दरकिनार ।।
झलक रहा है बहुत कुछ ।
करते जो व्यवहार ।।

- कृष्णेन्द्र राय

समाज के सहयोग के बिना नर्मदा मैया को स्वच्छ नहीं किया जा सकता : वेदेश्वर महाराज

सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो

जीवन दायिनी मां नर्मदा के जल को निर्मल तथा प्रवाह को अविरल रखने एवं समग्र विकास हेतु 10 विभागों सहित नर्मदा नदी के संरक्षण के लिए सामुदायिक सहभागिता एवं जन जागरण की गतिविधियां संचालित करने मप्र जन अभियान परिषद अपनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभा रही है। परिषद के विकासखंड समन्वयक हरिदास दायमा के नेतृत्व में सिवनी मालवा के उमरिया, लुचगांव, भिलाड़िया खुर्द घाट, कजली में

उमरिया घाट से नर्मदा पथ यात्रा का हुआ शुभारंभ

चौपाल कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस दौरान संत वेदेश्वर महाराज, श्री राजेश व्यास महाराज, विमलेश तिवारी के सानिध्य में जन समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि नर्मदा मैया का संवर्धन व संरक्षण समाज के सहयोग के बिना नहीं किया जा सकता सरकार, समाज

और संत समुदाय मिलकर ही मां नर्मदा को साफ स्वच्छ रख पाएंगे। नवांकुर संस्था दिशा जनकल्याण सेवा समिति कोलगांव के अध्यक्ष योगेन्द्र राजपूत ने कहा कि उमरिया घाट की साफ सफाई के लिए हम समाज के साथ मिलकर निरंतर अभियान चला रहे हैं। नर्मदा तटों पर स्वच्छता साफ सफाई गंगा जल संवर्धन अभियान का अभिन्न अंग है जिसकी पूर्ति के लिए निरंतर विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही है। समुदाय से समन्वय स्थापित करके तात्कालिक ओर दीर्घकालिक समस्याओं के समाधान की दिशा में छोटी छोटी गतिविधियों के माध्यम से परिवर्तन करने का प्रयास भी हम करते आ रहे हैं । हमें अपने परिवार को बचाने के लिए जैविक कृषि की ओर जाना पड़ेगा आने वाली पीढ़ी को जहर मुक्त करना होगा। हरिदास दायमा ने कहा कि नर्मदा घाटों पर आटे के दीपदान कर मछलियों के भोजन की व्यवस्था बनाएं, घाटों को पालीथीन मुक्त बनाएं, घाटों पर मुंडन संस्कार कर बालों को नर्मदा जल में विसर्जन ना करें साथ ही जैविक कृषि पर जोर दिया। इन्ही पवित्र उद्देश्यों को लेकर यह यात्रा 16 जिलों के 51 विकासखंडों में 535 ग्राम पंचायतें शामिल की गई हैं। यात्रा के दौरान चौपाल, साफ सफाई, श्रम दान आदि कार्य कर जागरूक किया जा रहा है। यात्रा के दौरान मंदिर, मठ, आश्रम धर्मशाला आदि की जानकारी एकत्रित की जा रही है। नर्मदा सेवा समितियों को सक्रिय किया जा रहा है कार्यक्रम का संचालन अमर गार्गव ने किया तथा आभार व्यक्त सुभाष राजपूत ने माना इस दौरान ग्राम पंचायत उमरिया के सरपंच पूजा पंचारिया, भिलाड़िया खुर्द के सरपंच मनीषा हरिसिंह कुशवाहा, महाराज लक्ष्मणचंद्र ब्रह्मचारी, नर्मदा सेवा समिति के सदस्य इंदर सिंह, महेंद्र पटेल, परामर्शदाता सेवनदास लौवंशी और समाज सेवी उपस्थित रहे।

तेंदूखेड़ा से जामुनखेड़ा मार्ग पर स्थित पठाघाट पुल का मामला

निर्माण कार्य की धीमी रफ्तार बारिश पूर्व पुल बनना मुश्किल

18 गांव के ग्रामीणों का होता है आना जाना

15 जून तक मानसून देगा दस्तक

तेन्दूखेड़ा , दोपहर मेट्रो

ब्लॉक में अभी भी कुछ पुल पुलिया कम ऊंचाई के बने हुए हैं, जो बारिश में डुब जाते हैं। जिससे लोगों को आने-जाने में दिक्कत व परेशानियां होती है। हालांकि कहीं-कहीं पर नए पुलों का निर्माण कार्य कराया जा रहा है, लेकिन इन पुलों को बनाने की रफ्तार धीमी होने के चलते लोगों को चिंता सता रही है। क्योंकि जून से बारिश का दौड़ शुरू हो जाता है, जब तक यह पुल बनकर तैयार नहीं हो पाएगा दरअसल नगर मुख्यालय से दो किमी दूर जामुनखेड़ा मार्ग पर स्थित पठाघाट पुल पर शासन द्वारा नए पुल का निर्माण कार्य कराया जा रहा है, जो धीमी गति से चल रहा है। जिससे यह आशंका जताई जा रही है कि बारिश के पहले पुल नहीं बन पाएगा और ग्रामीणों को आवागमन में बाधा होगी यहां पर बना रपटा बारिश में डूब जाता था और कई बार इस कम ऊंचाई के पुल से हादसे भी हो चुके हैं जिसके

बाद इस पुल का निर्माण कार्य शुरू हुआ था स्थानीय लोगों ने बताया कि पुराने रपटा को तोड़कर नया पुल बनाया जा रहा है। जिसका निर्माण जून 2025 तक पूरा कर लिया जाना था, लेकिन लोगों का कहना है काम की रफ्तार देखकर अंदाजा लगाया जा रहा न था कि पुल जुलाई तक नहीं बन पाएंगा। उक्त पुल लाखों की लागत से बनाया जा रहा है पांच माह में अभी पठाघाट पुल का 60 प्रतिशत ही काम हुआ दिखाई दे रहा है इस मार्ग से गुजरने वाले राहगीरों ने बताया कि पुल निर्माण की रफ्तार धीमी गति से होने के कारण बारिश में दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। क्योंकि अभी पुल का 60प्रतिशत तक ही कम हुआ है

इस पुल से 18 गांव का होता है आना जाना

स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि यदि बारिश तक पुल निर्माण पूर्ण नहीं हुआ तो बड़ी दिक्कत होगी क्योंकि इस मार्ग से एक दर्जन से ज्यादा ग्राम जुड़े हुए हैं। जहां के रहवासी प्रतिदिन मार्ग से होकर तेन्दूखेड़ा मुख्यालय एवं अन्य जिले के लिए आते जाते हैं जिसमें खामखेड़ा निबोरा अजीतपुर दलपतखेड़ा कछ्याई खमरियाकला नन्ही देवरी निजाम देवरी बुढेला पटी बैलवाड़ा मानपुरा टगरा जवाहर नगर जामुन खेड़ा गोहुची खगोरिया बितली गांव आदि शामिल हैं इन गांवों में रहने वाले लोगों की आबादी करीब 30 हजार से अधिक है लोगों का कहना है अगर एक महीने में पुल बनकर तैयार नहीं हुआ तो लोगों को बड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ेगा क्योंकि इस पुल से बारिश के दिनों में निकलने के लिए दूसरा कोई ओर रास्ता नहीं है या फिर घूमकर 10 से 15 किलोमीटर का सफर तय कर शहर ओर गांव आना पड़ेगा

लंबे समय से की जा रही थी पुल की मांग

लगभग 30 साल पहले निर्मित हुए जामुनखेड़ा मार्ग पर स्थित पठाघाट पुल की ऊंचाई कम होने से जरा सी बारिश में डूब जाता है, इससे आवागमन अवरूद्ध हो जाता है। काफी वर्षों से यहां एक बड़े पुल निर्माण की मांग की जा रही थी, जिसको देखते हुए विधायक व राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने प्रयास कर स्वीकृत कराया। यदि तीव्र गति से इस नए पुल का निर्माण पूर्ण हो जाता है तो इस बार बरसात में भी आवागमन सुगम रहेगा नहीं तो इस साल भी लोगों को परेशान होना पड़ेगा

अगर पुल बनकर तैयार नहीं हुआ तो इस बार होगी ज्यादा समस्या

वहीं लोगों का कहना है कि अगर बारिश तक पठाघाट पुल बनकर तैयार नहीं हुआ तो 18 गांव के लोगों को बड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ेगा क्योंकि ठेकेदार द्वारा पुल निर्माण कार्य के दौरान पहले से बने पुराने पुल को तोड़कर नया पुल बनाया जा रहा है जिसके कारण राहगीरों को निकलने के लिए इस मार्ग पर दूसरा कोई और रास्ता नहीं है क्योंकि बारिश के दौरान नदी में पानी होगा और आजू-बाजू से कोई पक्का रपटा भी नहीं है अगर पुराना पुल होता तो लोगों को समस्या नहीं होती है अगर बारिश तक यह पुल बनकर तैयार नहीं होता है तो कई गांव टापू बन जाएंगे और बीमार लोगों ओर गर्भवती महिलाओं को बारिश के दौरान बड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ेगा क्योंकि यह मार्ग पूरी तरह से बारिश के दिनों में बंद हो जाएगा जिसके कारण इस मार्ग से कोई भी वाहन आ जा नहीं सकेगा ना ही पैदल निकल सकेंगे वहीं अगर लोगों को शहर आना है या फिर इन गांव तक पहुंचना है तो लोगों को लंबा सफर तय करना पड़ेगा क्योंकि इन गांव तक पहुंचने के लिए दमोह मार्ग होते हुए से खेरे गांव से खमरिया जाना होगा तभी इन 18 गांव तक लोग पहुंच पाएंगे और लोग शहर आ जा सकेगा लोगों की मांग है कि बारिश तक पुल बनकर तैयार हो और पुल की धीमी रफ्तार से तेजगति से कार्य शुरू किया जाए जिससे आने वाले दिनों में लोगों को दिक्कत ना हो।

स्व-सहायता समूह और आजीविका मिशन ने संवारा अनीता सोलंकी का जीवन

नर्मदापुरम. मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की पहल से अनेक ग्रामीण महिलाओं के जीवन में परिवर्तन आ रहा है। ऐसी ही एक प्रेरणादायक सफलता की कहानी है ग्राम निवासी अनीता सोलंकी की, जिन्होंने अपनी मेहनत, स्व-सहायता समूह के सहयोग और शासन की योजनाओं का लाभ लेकर आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण की मिसाल पेश की है। स्व-सहायता समूह से जुड़ने से पूर्व अनीता सोलंकी की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर थी। उनके परिवार की मासिक आय केवल 2000-3000 रुपये थी, और उनके पति मजदूरी पर निर्भर थे। घरेलू खर्च चलाना कठिन था और अनीता दीदी परिवार की निर्णय प्रक्रिया में भी शामिल नहीं हो पाती थीं। वर्ष 2018 में आजीविका मिशन से जुड़ने के बाद अनीता दीदी ने समूह की बैठकों के माध्यम से शासकीय योजनाओं की जानकारी प्राप्त की और आत्मविश्वास से भरपूर होकर अपनी आजीविका सुदृढ़ करने का संकल्प लिया। उन्होंने बैंक से 30,000 रुपये का ऋण लेकर सिलाई की दुकान शुरू की। समय के साथ आय में वृद्धि हुई और दीदी ने 60,000 रुपये का पुनः ऋण लेकर सिलाई, पीको, इंटरलॉक, माला निर्माण एवं साबुन निर्माण जैसे कार्य प्रारंभ किए। इसके अतिरिक्त, दीदी को बैंक ऑफ इंडिया की शाखा से यूनिफॉर्म सिलाई और गिफ्ट पर्स निर्माण के ऑर्डर भी मिलने लगे। आज अनीता दीदी की मासिक आय 12,000 से 15,000 रुपये हो गई है। स्वयं की प्रगति के साथ ही दीदी ने गांव में अन्य महिलाओं को भी प्रेरित किया। उन्होंने नए स्व-सहायता समूहों के गठन में सहयोग दिया, बैठकों में भागीदारी को बढ़ावा दिया और इसी के चलते उन्हें ग्राम संगठन का अध्यक्ष चुना गया। वर्तमान में वह संकुल स्तरीय संगठन (एस्स्त्र) की अध्यक्ष हैं और सभी परिवारों की मासिक आय 10,000 रुपये से अधिक करने हेतु सक्रिय प्रयास कर रही हैं।

मां तुझे प्रणाम योजना के तहत विधायक-सांसद ने युवाओं को ऐतिहासिक स्थलों के लिए किया रवाना

नर्मदापुरम. बुधवार को नगर के प्रसिद्ध सेठानी घाट से 卐मां तुझे प्रणाम卐 योजना के अंतर्गत 58 युवा प्रतिभागियों को भारत के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं भौगोलिक महत्व के स्थलों के भ्रमण हेतु रवाना किया गया। इस अवसर पर पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं नर्मदापुरम विधायक डॉ. सीता सरन शर्मा तथा लोकसभा सांसद दर्शन सिंह चौधरी विशेष रूप से उपस्थित रहे। दोनों जनप्रतिनिधियों ने युवाओं को शुभकामनाएँ देते हुए युवाओं को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक गौरव एवं भौगोलिक विविधता से परिचित करने के उद्देश्य से रवाना किया।

29 मई से 12 जून तक कियान्वित होगा विकसित कृषि संकल्प अभियान

नर्मदापुरम. उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास नर्मदापुरम ने बताया कि कृषि को और अधिक उन्नत एवं विकसित बनाने के लिए जिले में विकसित कृषि संकल्प अभियान का आयोजन किया जा रहा है। 29 मई 2025 की सुबह जनप्रतिनिधिगण द्वारा प्रचार वाहन रथ को हरी झंडी दिखाकर अभियान का शुभारंभ किया जाएगा। यह अभियान खरीफ मौसम प्रारंभ होने से पहले 29 मई से 12 जून 2025 तक जारी रहेगा। इस अभियान में केंद्रीय योजनाओं एवं म.प्र. सरकार की प्रमुख योजनाओं. कृषि वैज्ञानिकों द्वारा विकसित की गई नवीन उन्नत कृषि तकनीकियों तथा कृषकों द्वारा कृषि में किए जा रहे नवाचारों की जानकारी, पंचायतों में कार्यक्रम आयोजित कर कृषि वैज्ञानिकों, कृषि एवं संबद्ध विभाग के अधिकारियों, कृषि उद्यमी एवं प्रगतिशील कृषकों के द्वारा किसान भाईयों को दी जायेगी। जिले में अभियान के प्रभावी संचालन एवं किसानों को जानकारी देने के लिए जिला कलेक्टर द्वारा विकासखण्डवार 04 दलों का गठन किया गया है। इस दल में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद / कृषि महाविद्यालय/कृषि विज्ञान केंद्र के कृषि वैज्ञानिकों, कृषि, कृषि अभियांत्रिकी, उद्यानिकी, पशुपालन, बीज प्रमाणीकरण, पंचायत, राजस्व, मत्स्य विभाग के मैदानी अधिकारियों की अभियान में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की गई है। 29 मई 2025 को 04 दल विकासखण्डवार नर्मदापुरम में ग्राम पंचायत कुलामडी से, सोहागपुर में ग्राम पंचायत सेमरीहरचंद से, सिवनीमालवा में ग्राम पंचायत बघवाडा से एवं बनखेड़ी में ग्राम पंचायत पीपरपानी से इस अभियान को प्रारंभ करेंगे। यह दल रूट चार्ट के अनुसार प्रतिदिन 02 ग्राम पंचायतों के मान से जिले की 08 ग्राम पंचायतों का प्रतिदिन भ्रमण करते हुए, जिले की 112 चयनित पंचायतों विशेषकर आदिवासी, आकांक्षी एवं प्रतिकूल परिस्थितियों वाले क्षेत्रों में कार्यक्रम का आयोजन कर किसानों से प्रत्यक्ष संवाद करेंगे। जिला नर्मदापुरम क्षेत्र की जल, वायु, जमीन एवं जरूरत के आधार पर खरीफ मौसम में उगाई जाने वाली प्रमुख फसलों से संबंधित आधुनिक / उन्नत तकनीकों एवं बीज की नवीन किस्मों के बारे में किसानों को जागरूक किया जाएगा।

आदिवासी टोला नन्ही देवरी के ग्राम तक पहुंचा पानी, ग्रामवासियों के चेहरे पर नजर आई खुशी

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

पानी के लिए तीन माह से परेशान हो रहे ब्लॉक के आदीवासी टोला नन्हीदेवरी के ग्रामवासियो के ग्राम तक आखिरकार बुधवार को पीने का पानी पाइप लाइन से पहुंच गया है। जिस कारण ग्रामवासियों ने राहत की सांस ली है और सभी ग्रामवासियों के चेहरे पर खुशी नजर आई है ज्ञात हो कि ग्राम पंचायत खमरियाकला के ग्राम नन्ही देवरी के लोग पिछले तीन माह से पीने के पानी के लिए परेशान हो रहे थे।

पीएचई विभाग ने भी अपने हाथ उठा लिए थे और कहा था कि यहां पर पानी की व्यवस्था उनके द्वारा नहीं की जा सकती है। लेकिन पीएचई विभाग ने लगभग 9 लाख रूपए का प्राक्लन बनाकर पंचायत को देकर बजट नहीं होने का हवाला दिया था। इसके

अलावा जल निगम के द्वारा पाइप लाइन तो विछाई गई थी लेकिन पानी पहुंचाने में असमर्थ थे। जिन्होंने भी पानी पहुंचाने से मना कर दिया था। ग्रामवासी जिस कुआ से पानी भरते थे वह भी सूख गया था। पंचायत के द्वारा दो टैंक्कर भेजे जा रहे थे वह भी वंद हो गए थे। जिस कारण ग्रामवासियों ने परेशान होकर मंगलवार को आदिवासी युवा शक्ति जयस के प्रदेश संगठन मंत्री श्रीकांत पोर्ते के साथ मिलकर पुनः दो दिन की चेतवानी देकर तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा था और कहा था कि अगर पानी नहीं पहुंचा तो ग्रामवासी धरना प्रर्दशन करेगें।

इसके पहले भी अनेक बार ज्ञापन दिए, धरना प्रर्दशन का हवाला दिया था। लेकिन अब प्रशासन ने ग्राम पंचायत खमरियांकला के ग्राम देवरी निजाम से लगभग एक किलोमीटर से अधिक लम्बी पाइप लाइन बिछाकर आदिवासी टोला नन्ही देवरी तक पानी भिजवाया गया है इस संबंध में जनपद सीईओ मनीष बागरी ने कहां कि ग्राम पंचायत के द्वारा 15वे वित पेयजल मद से 5 लाख रूपए खर्चकर पाइप लाइन बिछाकर नन्हेदेवरी तक पानी पहुंचाया गया है ग्रामवासियों को अब पानी की समस्या से छुटकारा मिला।

भारत के प्रथम प्रधानमंत्री नेहरू की पुण्यतिथि पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए

नर्मदापुरम.भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि पर भारत कृषक समाज द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया पंडित जवाहरलाल नेहरू की स्मृति को शत-शत नमन करते हुए पंडित जी के

व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर अपने विचार व्यक्त किए गए कार्यक्रम ओम प्रकाश मालवीय संभागीय सचिव द्वारा आयोजित किया गया लोकतंत्र के संस्थापक पंडित जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि के कार्यक्रम में सामाजिक समरसता राष्ट्रीय एकता मंच के अध्यक्ष अरुण दीक्षित कार्यकारी अध्यक्ष मोहम्मद अकरम खान मोहम्मद असलम भारती आशीष तिवारी मोहम्मद नादिरखान के साथ बुधनी ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राजेंद्र यादव कैलाश मालवीय अजय दुबे शहजाद खान श्यामलाल यादव अजय यादव अशोक यादव देवराजके साथ अन्य सदस्य उपस्थित हुए.

मेट्रो एंकर बार कौंसिल आफ इंडिया से मान्यता जारी कराए जाने तथा पृथक विधि महाविद्यालय स्थापित कराये जाने को लेकर सौंपा ज्ञापन

विधि पाठ्यक्रम के पीड़ित छात्र -छात्राओं की पिपरिया में आवाज बना भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ

नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो

भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ पिपरिया द्वारा मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को सौंपा गया । छात्र नेता ने बताया कि हमारी प्रमुख मांग है कि बार कौंसिल आफ इंडिया से विधि पाठ्यक्रम संचालित करने हेतु मान्यता शीघ्र जारी कराई जावें तथा विधि महाविद्यालयों की मान्यता के लिए भारतीय बार काउंसिल (बीसीआई) द्वारा निर्धारित समस्त मानक पूर्ण किया जाकर शीघ्र पृथक विधि महाविद्यालय शीघ्र स्थापित किया जाए।

छात्र नेता आरिफ अली ने बताया कि शहीद भगत सिंह शासकीय पीजी कॉलेज पिपरिया में वर्ष 1989 -90 से विधि पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है। विधि पाठ्यक्रम पूर्ण कर मध्यप्रदेश के युवा न्यायापालिका में सिविल जज , एडीपीओ, विधिक अधिकारी, विधिक सलाहकार, लोक अभियोजक, विधि परीवीक्षा आफिसर सहित न्यायिक पदों पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं तथा अधिवक्ता के रूप कार्य करते हुए न्यायिक कार्यवाही में अपना निरंतर सहयोग प्रदान कर रहे हैं।भारत सर्वश्रेष्ठ कोर्स विधि पाठ्यक्रम है जो शिक्षित बेरोज़गारी को दूर करने साधन है ।

ये हैं प्रमुख मांगें

- शासन स्तर से विधि महाविद्यालय की स्थापना हेतु तत्काल जमीन मुहैया करवाई जाकर पिपरिया में पृथक विधि महाविद्यालय स्थापना की जावे,विधि पाठ्यक्रम संचालित करने हेतु बार कौंसिल आफ इंडिया से शीघ्र मान्यता जारी करवाई जाए.
- सर्वसुविधायुक्त पृथक लाईब्रेरी जिसमें वाई फाई इंटरनेट सुविधा, कम्प्यूटर, प्रिंटर सुविधा हो तथा विधि पाठ्यक्रम हेतु नये सिलेबस अनुसार आपराधिक विधि सहित समस्त विधि की किताबें नये सिलेबस अनुसार उपलब्ध कराई जाए.
- विधि विभाग में छात्र -छात्राओ के लिए पृथक लेट-बाथ या शौचालय व्यवस्था की जावे ,जिसकी नियमित साफ़ सफाई हो.
- विधि विभाग में और विधि विभाग के आसपास नियमित साफ सफाई व्यवस्था की जावे.
- बरकतउल्ला विश्वविद्यालय हो या अन्य युनिवर्सिटी की आयोजित परीक्षाओ में विधि विभाग के सभी शिक्षकों की सुबह- शाम ड्युटी ना लगाई जावें ताकि, हमारी पढ़ाई बाधित ना हो.
- विधि विभाग हेतु जब तक पृथक महाविद्यालय निर्माण नहीं होता है,तब तक महाविद्यालय परिसर में ही विधि विभाग को सर्वसुविधायुक्त करवाकर सुचारू रूप से संचालित किया जाए.
- विधि विभाग के लिए तत्काल पृथक प्राचार्य उपलब्ध कराया जाए
- जो विधि मे पोस्ट ग्रेजुएट हो या विधि में उच्चतम शिक्षा प्राप्त हो.
- जब तक पृथक विधि महाविद्यालय निर्माण पूर्ण नहीं हो जाता तब तक,विधि विभाग की सम्बद्धता व मान्यता निरंतर 3 वर्ष के लिए जारी की जावे.
- विधि विभाग के विभागाध्यक्ष और शिक्षको अशैक्षणिक कार्य में अनावश्यक रूप से ना लगाया जाए क्योंकि विधि विभाग के शिक्षको को अशैक्षणिक कार्य में लगातार ड्यूटी लगाने से विधि पाठ्यक्रम की पढ़ाई बाधित होती रही है.
- विधि विभाग के सभी कक्षों बेहतर फर्नीचर के साथ -साथ नियमित साफ सफाई और बेहतर प्रकाश व्यवस्था तत्काल की जाए.
- यूजीसी (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग)के मापदण्ड अनुसार विधि शिक्षकों को सम्मानजनक मानदेय दिया जाए.
- विधि विभाग को सुरक्षा की दृष्टि से चालू अवस्था में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाए.
- विधि विभाग में चालू अध्ययनरत सत्र के दौरान विधि विभाग के कक्षों का प्रयोग किसी भी आर एस एस शिविर या किसी भी अन्य शिविर, केंप के लिए अधिकृत ना किया जाए, इससे विधि पाठ्यक्रम की कक्षाएं बाधित होती है.

कलेक्टर ने हनौता बांध और विस्थापन कार्यों का जायजा लिया, 'बुनियादी सुविधाओं में कमी न हो'

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने बुधवार को कुरवाई अनुविभाग क्षेत्र में निर्माणाधीन हनौता बांध सिंचाई परियोजना के कार्यों का भ्रमण कर जायजा लिया। उन्होंने बांध के निर्माण कार्यो के लिए अधिग्रहण की गई भूमि के स्वामित्व को देय सुविधाएं का भी स्थलीय निरीक्षण किया है। उन्होंने ग्राम हनौता में बीना नदी पर निर्माणाधीन हनौता सिंचाई परियोजना से प्रभावितों को विस्थापन हेतु किए जा रहे प्रबंधों का जायजा लिया है।

कलेक्टर को परियोजना प्रबंधक ने बताया कि योजना से कुल 4183 हेक्टेयर भूमि डूब प्रभावित हो रही है जिसमें कुल 44 ग्राम जिला सागर एवं विदिशा के प्रभावित हो रहे हैं। विदिशा जिले के 9 ग्रामों में पुनर्वास एवं विस्थापन का कार्य किया जा रहा है जिसमें प्रभावित परिवारों की संख्या 1157 हैं, वहीं सागर में कुल 7 ग्रामों में पुनर्वास विस्थापन का कार्य किया जा रहा है। यहां प्रभावित परिवारों की संख्या 967 हैं। विदिशा जिले के प्रभावितों को ग्राम जाजोन में विस्थापन हेतु किए जा रहे कार्य एवं आवास बनाने के लिए आवंटित भूमि तथा प्रदाय सुविधाओं के साथ-साथ अन्य तमाम बुनियादी सुविधाओं की पूर्ति के संबंध में जानकारी सांझा की गई है।

कलेक्टर ने विस्थापन क्षेत्रों में गौ शाला के निर्माण पर बल देते अब तक बनाई गई आंगनबाड़ी, स्कूल स्वास्थ्य केंद्र सामुदायिक भवन का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं।

परियोजना प्रबंधक ने हनोता

सिंचाई परियोजना के बांध की कुल लंबाई, मिट्टी बांध की कुल लंबाई, पक्के बांध की कुल लंबाई, बांध की उंचाई, टीबीएल, एम डब्ल्यूएल, एफआरएल, केचमेंट एरिया,कुल जल भराव क्षमता, जीवित जल भराव क्षमता, गेटों की संख्या तथा कुल डूब क्षेत्र भूमि की जानकारियों से अवगत कराया है।

कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने पठारी क्षेत्र का दौरा कर हनोता बांध वृहद परियोजना, इंटेक और निर्माणाधीन कॉलोनियों का औचक निरीक्षण किया। जिसमें बेहतर से बेहतर कार्य करने की समझाईश दी। पात्र हितग्राहियों और जरूरतमंदों को हर संभव मदद देने की बात कही।

कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता और जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोडिया ने अधिकारियों के साथ पठारी क्षेत्र का भ्रमण किया। इस दौरान कलेक्टर श्री गुप्ता ने हनोता बांध बृहद परियोजना की विस्थापित कॉलोनी का निरीक्षण किया। जिसमें ग्राम जाजपोन की कॉलोनी में स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र, मंदिर, खेल परिसर, सड़क, नाली, पेयजल व्यवस्था, अस्पताल, विद्युत व्यवस्था, बस स्टैंड, पार्क सहित मूलभूत सुविधाओं का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने 300 परिवार वाली कॉलोनी में अनेक व्यवस्थाओं में सुधार करने की समझाईश दी। जिसमें जल निगम द्वारा पेयजल व्यवस्था में सुधार करने की बात कही।

झमाझम बारिश के साथ आंधी और ढाया कहर, सारा शहर हलाकान

ताश के पत्तों की तरह उड़े टीन शेड बेनर-पोस्टर, कई पेड़ धराशायी

कृषि मंडी में भरा पानी, व्यापारी और किसानों की उपज पानी में भीगी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

बुधवार को तेज हवा के साथ झमाझम बारिश होने से शहर में पानी हीं पानी दिखाई दे रहा था आंधी का प्रकोप भी देखने को मिला जिसके कई पेड़ गिरे इनकी चपेट में आने से दो साइकिल चलाको ने भाग कर अपनी जान बचाई नहीं तो बड़ी जनहानि भी हो सकती थी पुरानी बस स्टैंड खडी मोटरसाइकिलें पर पेड़ों की टहनियां गिरने से क्षतिग्रस्तहो गई हवा इतनी अधिक थी कि आदमी भी उसके सामने खड़े नहीं हो पा रहे थे। बस स्टैंड पर पालीवाल गार्डन के तीन सेट हवा कागजों की तरह उड़ते हुए नजर आ रहे थे।

गनीमत रही की कोई इनकी चपेट में नहीं आया नहीं तो बड़ा नुकसान भी हो सकता कुछ सेट का हिस्सा तो पेड़ों के ऊपर जाकर रुका गया कुछ गार्डन के आसपास के घरों पर गिरी यहां पर मौजूद लोगों की मुश्किलें बढ़ गई थी काफी नुकसान हो गया आयोजन भी इसकी वजह से प्रभावित हुआ। इसी तरह नगर पालिका परिषद के द्वारा शहर में जगह-जगह प्याऊ के लिए बनाए गए सेट भी इस आंधी में उड़ते हुए नजर आए दूसरी ओर बैनर पोस्टर भी हवा के कहर से नहीं बच पाए यह भी कागज की भांति हवा में दिखाई दे रहे थे । बासौदा रोड पर बारिश साथ तेज गति से हवा चलने से पेड़ गिरने से मोटरसाइकिल चालकों ने बड़ी मुश्किल से अपनी गाड़ी छोड़कर भाग कर जान बच पाई इसी तरह पुराने बस स्टैंड पर पेड़ों की डालियां टूट कर खड़े वाहनों पर गिरने सें इनमें टूट फूट हो गई यहां पर मौजूद ने लोगों भाग कर अपनी जान बचाई। अन्य स्थानों पर भी नुकसान हो गया।

मंडी में भर आया पानी

इस महीने बारिश लगातार हो रही है कुछ दिनों से तो प्रत्येक दिन पानी बरस रहा है । बुधवार भी 1 घंटे तक तेज बारिश होने से मंडी में पानी भरने से कई व्यापारी और किसानों की फसल भी खराब हो गई क्योंकि यहां पर पानी निकासी की व्यवस्था नहीं होने से यह स्थिति निर्मित हुई अभी जब थोड़ी सी बरसात में इतने बुरे हालात हैं जब बारिश का दौर प्रारंभ होगा उस समय क्या स्थिति बनेगी इसका अंदाजा भी अभी से लगाया जा सकता है। मंडी प्रशासन को ना तो किसान की चिंता और ना ही व्यापारियों की

3 घंटे ग़ायब रहीं बिजली गिरे कई पोल

हवा बारिश से बिजली सप्लाई भी पूरी तरह से चरमरा गई कई जगह लाइनों में फाइट होने के साथ पेड़ की डालियां और जगहों पर बिजली के खंबे गिरने से 3 से लेकर 5 घंटे से ऊपर बिजली बंद रही इस कारण सभी को परेशानी जूझना पड़ा हुई शहर के कुछ क्षेत्रों में 6 से 8 घंटे भी बिजली नहीं आने से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा क्योंकि कई मोहल्लों लाइन टूट कर गिर गई इनको को ठीक करने में भी कई घंटे लग गए इसी तरह ग्रामीण अंचलों मे भी परेशानी हुई।

विकसित कृषि संकल्प अभियान : कृषकों को बताएं उन्नत, वैज्ञानिक तकनीक

सिरोंज। विदिशा जिल मे किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग तथा कृषि संबद्ध विभाग द्वारा खरीफ पूर्व विकसित कृषि संकल्प अभियान का संचालन 29 मई से 12 जून तक किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य कृषकों को खरीफ पूर्व तैयारी के लिए उन्नत एवं वैज्ञानिक तकनीकों, नवीन अनुसंधानों तथा केन्द्र एवं राज्य् सरकार की योजनाओं, प्राकृतिक खेती,जल प्रबंधन फसल विविधिकरण, पशुपालन, उद्यानिकी, मछली पालन एवं कृषि यंत्रीकरण की जानकारी से अवगत कराना है, ताकि कृषकों की आय में वृद्धि हो और वे सतत् कृषि पद्धतियों को अपना सकें। जिले में इस अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए तीन दलों का गठन किया गया है। प्रथम दल विदिशा विकासखण्ड के 24 ग्रामों में एव ग्यारसपुर के 21 ग्रामों में, दूसरा दल बासौदा के 24 ग्रामो एवं नटेरन के 21 ग्रामों में और तीसरे दल के द्वारा कुरवाई, सिरोंज एवं लटेरी के पांच-पांच ग्रामों में शिविरों का आयोजन किया जाएगा। प्रत्येक दल प्रतिदिन तीन पंचायतों का भ्रमण,संवाद करेगा एवं गठित दलों में संबंधित विभागों के अधिकारी अपने मैदानी अमले के साथ एवं संबंधित पंचायत प्रतिनिधियों की सक्रिय सहभागिता रहेगी। इस अभियान का नियंत्रण एवं अनुश्रवण उपसंचालक कृषि जिला विदिशा, जिला नोडल अधिकारी एवं भारतीय मृदा विज्ञान भोपाल, केन्द्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान भोपाल एंव कृषि विज्ञान केन्द्र रायसेन के वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा किया जाएगा। प्रतिदिन प्रत्येक विकासखण्ड को तीन-तीन पंचायतों की संगोष्ठी की फीडबैक रिपोर्ट, गतिविधियों की फोटोग्राफी एवं कृषकों की सहभागिता की निगरानी सुनिश्चित की जाएगी। उप संचालक कृषि श्री केएस खपेड़िया ने कृषकों से अपील की है कि वे अधिक संख्या, में पहुंचकर वरिष्ठ वेज्ञानिकों द्वारा बताए गए कृषि के क्षेत्र में उन्नत तकनीक नई किस्मों एवं कृषि को लाभ का धंधा कैसे बनाया जाये पर विस्तार से कृषि मंथन होगा एवं वैज्ञानिकों द्वारा की गई नई-नई खोज को किसानों के लिये उपयोगी एवं किसानों की समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा संग्रहित तेन्दूपत्ता का निरीक्षण

सिरोंज। प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश राज्य लघु वनोपज संघ भोपाल श्री बिभाष कुमार ठाकुर और मुख्य वन संरक्षक भोपाल वृत्त भोपाल श्री राजेश खरे द्वारा आज बुधवार को वन मण्डल विदिशा अंतर्गत वन परिक्षेत्र ग्यारसपुर, समिति ग्यारसपुर क्षेत्र अंतर्गत फड़ बरमढ़ी एवं ग्यारसपुर पर संग्रहित तेन्दूपत्ता का निरीक्षण किया। इस दौरान वन मण्डलाधिकारी श्री हेमन्त यादव, वन परिक्षेत्र अधिकारी ग्यारसपुर साथ मौजूद रहे। निरीक्षण के उपरांत वर्ष 2025 के तेन्दूपत्ता संग्रहण की समीक्षा की गई। जिसमें बता गया कि फड़ों पर गुणवत्ता का तेन्दूपत्ता संग्रहित हुआ है। संग्राहकों से गड्डियां बांधने के संबंध में तथा क्रेता-प्रतिनिधि को शीघ्र बोराभर्ती कराने, गोदाम परिवहन कराने हेतु अवगत कराकर उपस्थित वन स्टाफ को मार्गदर्शन प्रदाय किया गया। समिति ग्यारसपुर में 21 फड़ों में तेन्दूपत्ता संग्रहण लक्ष्य 2460 मानकबोरा, समिति में 2113 मानकबोरा तेन्दूपत्ता संग्रहित हुआ है। फड़ ग्यारसपुर लक्ष्य 200, संग्रहित 339 मानकबोरा तथा फड़ बरमढ़ी लक्ष्य 75, संग्रहित 51 मानकबोरा है। समिति से संग्राहकों के बैंक खाते में पारिश्रमिक राशि 84.56 लाख रूपये ई-भुगतान कराई जा रही है।

मंडी रोड पर जाम से सभी हुए बेहाल

सिरोंज। बुधवार को मंडी बाईपास रोड पर जाम के कारण आम से लेकर खास को भी मुश्किलों का सामना करना पड़ा।1 घंटे तक इस मार्ग से वाहन चलाने की जगह पर रेंग रहे थे। बड़ी मुश्किल से वाहन चालक अपने वाहनों को यह से निकल पाए जाम के कारण सड़क पर इनकी लंबी-लंबी लाइनें लगी हुई थी मार्ग पर दोनों तरफ लापरवाही से वाहन खड़े होने की वजह से जाम लगा उसको हटाने का काम यातायात पुलिस नहीं कर पाई इस वजह से ऐसे हालात आए दिन यहां पर निर्मित होते हैं सभी को मैं परेशानी होती है। ऐसी ही हालत लिंक रोड पर देखने को मिले यहां भी जाम से सभी परेशान हो रहे थे। इस समस्या से छुटकारा दिलाने वाली पुलिस और यातायात पुलिस प्रशासन का कोई आता पता नहीं था इस कारण से समस्या बढ़ गई।

420 केस मे गिरफ्तार एचडीएफसी बैंक कर्मियों को पुलिस ने रिमांड पर लिया

सिरोंज। एचडीएफसी बैंक मैं पी वी ए के रूप में तेनात कर्मचारी प्रिंस श्रीवास्तव ने कई ग्राहकों के साथ धोखाधड़ी करके कुछ दिनों पहले गायब हो गया था शिकायत के बाद प्रकरण दर्ज 420 की धाराओं में दर्ज हुआ था।पुलिस इसकी तलाश कई दिनों से थी सफलता बुधवार को मिल पुलिस ने 420 करके फरार होने वाले प्रिंस श्रीवास्तव को गिरफ्तार करके पहले मेडिकल कराकर न्यायालय में पेश किया मामले में पूछताछ करने के लिए रिमाइंड पर मांगा था न्यालय से 2 की रिमांड पुलिस को मिली है।क्योंकि उक्त व्यक्ति पर आरोप है कि कई लोगों से पैसे लेकर रफूचक्कर हो गया था जैसे इसकी जानकारी पैसे देने वाले लोगों को लगी तो यहां बैंक पहुंचे पता चला कि भाग गया कुछ लोगों ने थाने में अपने साथ धोखाधड़ी करने की शिकायत करके प्रकरण दर्ज करवाया था और भी लोगों ने शिकायत की हें उसके संबंध में पुलिस पूछताछ करेगी इसके बाद ही सही कहानी सामने आएगी अभी तो कई तरह की चर्चा है कि करोड रुपए का गोलमाल हुआ है इसका खुलासा तो पुलिस की जांच के बाद ही हो पाएगा। एसडीओपी उमेश कुमार तिवारी ने बताया कि अभी 2 दिन की रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रहे हैं उसके बाद स्थिति स्पष्ट होगी और पूरी जानकारी दे पाएंगे।

छात्रावास में प्रोत्साहन, मार्गदर्शन के बल पर छात्राएं आगे बढ़ा रहीं कदम, प्रिंसी ने दसवीं में 92 प्रतिशत अंक प्राप्त किया

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा जिले के गंजबासौदा के छोटे से गांव औरंगपुर में रहकर शिक्षा के क्षेत्र में उपलब्धि हासिल कर रहीं बालिका प्रिंसी लोधी महिला सशक्तिकरण की मिसाल पेश कर रही हैं, छोटे से गांव से निकलकर अपनी शिक्षा पूरी करने का उनका सपना मध्य प्रदेश शासन द्वारा संचालित शासकीय छात्रावास पूरा कर रहे हैं। छोटे से गांव में शिक्षा के संसाधन उपलब्ध ना होने पर उनके माता-पिता गांव से दूर शिक्षा के लिए भेजने से कतराते थे। फिर बच्ची को शासकीय कस्तूरबा गांधी कन्या छात्रावास उदयपुर में दाखिला दिलाकर कक्षा छठवीं में प्रवेश कराया। पढ़ने में होशियार बालिका कुमारी प्रिंसी लोधी ने आज कक्षा दसवीं में 92 प्रतिशत अंक हासिल कर अपने छोटे से गांव औरंगपुर का ही नहीं बल्कि विदिशा जिले का

नाम भी गौरवान्वित किया है। बच्ची के मन में पढ़ने की ललक से परिवारजनों के चेहरों पर भी मुस्कान ला दी है।

छात्रा प्रिंसी लोधी की तीन और छोटी बहनें हैं जो अभी स्कूल में अध्यनरत हैं। छात्रा प्रिंसी लोधी बताती हैं कि उनके गांव से मिडिल स्कूल 3 किलोमीटर और हाई स्कूल 12 किलोमीटर दूर है इतनी दूर स्कूल होने पर माता-पिता उन्हें स्कूल नहीं भेज रहे थे फिर उन्होंने कक्षा छठवीं में पढ़ने के लिए कस्तूरबा गांधी छात्रावास उदयपुर में प्रवेश लिया और आज वह कक्षा दसवीं में अच्छे अंक (92 प्रतिशत) प्राप्त कर 11वीं कक्षा की पढ़ाई कर रही हैं।

छात्रा प्रिंसी लोधी ने बताया कि छात्रावास में रहकर उन्होंने अपने शैक्षणिक स्तर को सुधारा है जिसमें उनके स्कूल के शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। शिक्षकों की शैक्षणिक प्रक्रिया इतनी प्रभावी है कि शिक्षा का स्तर सुधरा और हम अच्छे अंक प्राप्त कर रहे हैं। छात्रावास में मिले प्रोत्साहन, मार्गदर्शन व सहयोग के बल पर उन्होंने यह उपलब्धि हासिल की है, जिससे उन्हें हौसला मिलता है। छात्रा प्रिंसी कहती है कि वह अपनी पढ़ाई को लेकर बहुत खुश है और आगे भी अपनी पढ़ाई जारी रखना चाहती हैं। इसके अलावा वह अपनी तीन छोटी बहनों को भी इसी छात्रावास में प्रवेश दिलाकर उनके भविष्य को संवारना चाहती हैं।

किसानोंको नैनो उर्वरकों का उपयोग करने की दी सलाह, उत्पाद गुणवत्ता एवं आय में होगी वृद्धि

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा किसानों को नैनो उर्वरकों का प्रयोग करने की सलाह दी गई है। नैनो उर्वरकों का फसलों में प्रयोग करने से भूमि, जल एवं पर्यावरण को बिना नुकसान पहुंचाए पोषक तत्व प्राप्त होते हैं। नैनो उर्वरकों के उपयोग से परम्परागत उर्वरकों के उपयोग में 50 प्रतिशत तक की कटौती आसानी से की जा सकती है। नैनो उर्वरक उत्पादन, उत्पाद गुणवत्ता एवं आय में वृद्धि करने के साथ-साथ परिवहन, भंडारण करने में आसान एवं किफायती भी होता है।

नैनो यूरिया प्लस- उप संचालक कृषि श्री के एस खपेड़िया ने बताया कि नैनो यूरिया प्लस भारत सरकार द्वारा प्रमाणित विश्व का प्रथम स्वदेशी नैनो उर्वरक है। यह पूर्णतः हानिरहित एवं सुरक्षित उत्पाद है। नैनो यूरिया प्लस के प्रयोग से कीट एवं रोग का प्रभाव कम होता है। उन्होंने बताया कि नैनो यूरिया प्लस में 20 प्रतिशत नत्रजन होती है एवं इसकी उपयोग दक्षता 90 प्रतिशत से भी अधिक होती है। नैनो यूरिया प्लस की एक बोतल एक बोरी यूरिया के बराबर होती है।

उप संचालक कृषि श्री के एस खपेड़िया ने बताया कि किसानों को फसल पर दानेदार यूरिया की प्रथम टॉप ड्रेसिंग के बाद आवश्यकतानुसार नैनो यूरिया प्लस का दो से तीन बार छिड़काव करना चाहिए। नैनो यूरिया प्लस का उपयोग करने से वायु, जल एवं मृदा प्रदूषण में कमी आती है। नैनो यूरिया प्लस (तरल)की 4 मिली मात्रा को प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर पत्तियों पर छिड़काव किया जाता है। इस प्रकार एक एकड़ क्षेत्र के लिए 500 मिली नैनो यूरिया प्लस (तरल) को 125 ली. पानी के साथ उपयोग करना अनुशंसित है। संकरी पत्ती वाली फसलों जैसे कि गेंहू, धान आदि में नैनो यूरिया प्लस का छिड़काव बुवाई के 35-40 एवं 50-60 दिन की अवस्था पर दो बार करना चाहिए। चैड़ी पत्ती एवं रोपाई वाली फसलों यथा कपास, सूरजमुखी आदि में पहला छिड़काव 20 -25 दिन बाद और दूसरा छिड़काव 50-55 दिन की अवस्था पर करना चाहिए । पहले छिड़काव के समय विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए कि खेत पत्तियों से भलीभांति आच्छादित हो जाए अन्यथा नैनो यूरिया जमीन पर गिरकर नष्ट हो जाएगा। लंबी अवधि की फसलों जैसे गन्ना एवं सब्जी वाली फसलों में अधिक छिड़काव भी किया जा सकता है। नैनो यूरिया प्लस को नैनो डीएपी, जल विलेय उर्वरकों एवं सागरिका के साथ मिलाकर छिड़का जा सकता है। अन्य कृषि रसायनों के साथ मिलाने के पहले जार परीक्षण करना अनिवार्य है।

नैनो डीएपी - नैनो डीएपी सभी फसलों में नाइट्रोजन एवं फास्फोरस प्रदाय करने का प्रभावी स्त्रोत है। नैनो डीएपी तरल में नाइट्रोजन 8 एवं फास्फोरस 16 प्रतिशत होता है तथा इसकी एक बॉटल एक बोरी डीएपी के बराबर होती है। अनुकूल परिस्थितियों में इसकी उपयोग दक्षता 90 प्रतिशत से अधिक है। नैनी डीएपी के कणों का आकार 100 नैनोमीटर से भी कम होता है। यह बीज एवं जड़ की सतह पत्तियों के स्टोमेटा तथा अन्य छिद्री के माध्यम से पौधों में आसानी से प्रवेश कर जाते हैं, जिसके परिणामस्वरूप बीज की ओज शक्ति में वृद्धि, पत्तियों में क्लोरोफिल अधिक बनता है, फलस्वरूप प्रकाश संश्लेषण अधिक होता है तथा फसल की गुणवत्ता और उपज में वृद्धि होती है।

नैनो डीएपी (तरल) के उपयोग की विधि - बीज उपचार - नैनो डीएपी की 5 मिली मात्रा का प्रयोग प्रति किलो बीज की दर से करना चाहिए। बीज पर एक समान रूप से घोल की परत बनाने के लिए उसमें आवश्यकतानुसार पानी मिलाया जा सकता है । 20 से 30 मिनट तक उपचारित बीजों को छांव में सुखाने के उपरांत बुवाई करना चाहिए। जड़ उपचार, कंद उपचाररू नैनो डीएपी की 50 मिली मात्रा का 10 लीटर पानी में घोल बनाएं एवं पौध की जड़ों कंद को 15-20 मिनट तक डुबाकर रखें । उसके पश्चात रोपाई करें।

पर्णीय छिड़काव - 30-35 दिन की अवस्था पर 4 मिली नैनो डीएपी प्रति लीटर पानी से हिसाब से छिड़काव किया जा सकता है। एक एकड़ क्षेत्र हेतु 125 लीटर पानी आवश्यक है। बेहतर परिणाम हेतु पौधों पर पत्तियां अच्छी मात्रा में आने पर ही पहला छिड़काव करें एवं फास्फोरस की अधिक आवश्यकता वाली फसलों में फूल निकलने के पहले या अधिकतम कल्लेध् शाखा बनाने की अवस्था पर दूसरा छिड़काव करें।

आईपीएल 2025 पहुंचा रोमांचक मोड़ पर, पढ़िए इस सत्र के यादगार पल

सूर्यवंशी ने जड़ा रिकॉर्ड शतक, म्हात्रे ने किया दमदार प्रदर्शन, धोनी की कप्तानी में सीएसके को मिली सीख

पंजाब के प्रभसिमरन सिंह भी पीछे नहीं रहे, उन्होंने भी अपने हुनर का बखूबी प्रदर्शन किया

नई दिल्ली , एजेंसी

आईपीएल 2025 का मौजूदा सत्र रोमांचक मोड़ पर पहुंच गया है। लीग चरण खत्म हो चुका है और गुरुवार यानी आज से प्लेऑफ की शुरुआत होगी। पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने शीर्ष-दो पर रहकर क्वालिफायर-1 में प्रवेश किया है जबकि गुजरात टाइटंस और मुंबई इंडियंस अंक तालिका में क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर रहीं। अब दोनों के बीच 30 मई को एलिमिनेटर मुकाबला खेला जाएगा। आईपीएल के 70 मैच के शुरुआती दौर को खत्म होने में कुल 67 दिन लगे, इनमें भारत-पाकिस्तान तनाव के कारण हुआ 10 दिन का ब्रेक भी शामिल है। इससे पहले एक नजर उन खास पलों पर डालते हैं जो सभी के जहन में बस गए हैं। आइये देखते हैं इस सीजन का उतार-चढ़ाव भरा सफर...

हर बार की तरह इस सत्र में भी युवाओं ने महफिल लूटी। राजस्थान रॉयल्स के लिए डेब्यू करने वाले 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने 35 गेंदों में शतक जड़कर इतिहास रच दिया। उन्होंने आईपीएल में सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड अपने नाम किया। इसके अलावा वह अब तक का दूसरा सबसे तेज शतक लगाने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय खिलाड़ी भी बन गए। बिहार के लाल वैभव सूर्यवंशी के अलावा चेन्नई सुपर किंग्स के आयुष म्हात्रे भी कम नहीं रहे। उन्होंने भी अपनी पारियों से चेन्नई को मुस्कुराने का मौका दिया। इस लिस्ट में पंजाब किंग्स के अनकैप्ड बल्लेबाज प्रियांश आर्या भी शामिल हैं, जिन्होंने अपना पहला आईपीएल शतक जड़ा। पंजाब के प्रभसिमरन सिंह भी पीछे नहीं रहे, उन्होंने भी अपने हुनर का बखूबी प्रदर्शन किया।

केकेआर का प्रदर्शन खराब रहा, लेकिन रहाणे डटे रहे

कप्तान अजिंक्य रहाणे अकेले दम पर डटे रहे, लेकिन फ्रेंचाइजी के सबसे महंगे खिलाड़ी और उपकप्तान वेंकटेश अय्यर के लिए सत्र काफी खराब रहा। पहले आठ मैच में पांच हार के साथ गत चैंपियन के लिए प्लेऑफ की दौड़ काफी पहले ही खत्म हो गई थी।

मार्श और पूरन ने कायम रखा दबदबा

पहले आठ मैच में पांच जीत ने लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को अंतिम चार में जगह बनाने का मौका दिया, लेकिन पंत का बल्ले से खराब प्रदर्शन, मध्य क्रम में गहराई की कमी और गेंदबाजी में विविधता की कमी के कारण वे फिर से प्लेऑफ से चूक गए। लेकिन मिचेल मार्श, निकोलस पूरन और एडेन मारक्रम ने उन्हें मजबूती दी। बता दें कि, इस सीजन रन बनाने के लिए जूझ रहे पंत ने आरसीबी के खिलाफ शतक लगाकर फॉर्म में वापसी की थी। उन्होंने 54 गेंदों में अपने आईपीएल करियर का दूसरा शतक पूरा किया। वह 61 गेंदों में 11 चौके और आठ छक्के की मदद 118 रन बनाकर नाबाद रहे।

हैदराबाद ने दूसरे सबसे बड़े स्कोर से की शुरुआत और तीसरे सबसे बड़े स्कोर से खत्म किया सत्र

आईपीएल 2024 की उपविजेता सनराइजर्स हैदराबाद सबसे खतरनाक बल्लेबाजी लाइनअप के साथ उतरी थी और टीम ने शुरुआत भी आक्रामक अंदाज में की थी। हालांकि, टीम इसे बरकरार नहीं रख पाई। उनके बल्लेबाज अपने पिछले प्रदर्शन को दोहराने में विफल रहे। हैदराबाद ने राजस्थान के खिलाफ मुकाबले से सत्र का आगाज किया और छह विकेट पर 286 रन से दूसरा सबसे बड़ा स्कोर बनाया। वहीं, टीम ने आईपीएल 2025 का समापन गत विजेता केकेआर के खिलाफ तीन विकेट पर 278 रन से तीसरा सबसे बड़ा स्कोर बनाकर किया।

चेन्नई सुपर किंग्स को मिली सीख

पांच बार की विजेता चेन्नई सुपर किंग्स महेंद्र सिंह, रवींद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के भरोसे उतरी थी, लेकिन सत्र खत्म होते-होते उन्हें अपनी इस रणनीति को छोड़ना पड़ा और बेंच पर बैठी युवा प्रतिभाओं को मौका देने के लिए मजबूर होना पड़ा। इसका सबसे सफल उदाहरण 17 वर्षीय मुंबई के बल्लेबाज आयुष म्हात्रे हैं। उन्होंने टीम की परेशानियों के बावजूद अच्छा प्रदर्शन किया जबकि दक्षिण अफ्रीका के डेवॉल्ड ब्रेविस ने अंत में शानदार प्रदर्शन किया। अफगानिस्तान के 20 वर्षीय नूर अहमद सीएसके के सबसे सफल स्पिनर रहे जबकि रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा उतने प्रभावी नहीं साबित हुए।

मुंबई इंडियंस ने फिर चौंकाया

हमेशा की तरह एक बार फिर मुंबई इंडियंस प्रशंसकों को हैरान करने में कामयाब हुई। सत्र का आगाज खराब होने के बाद टीम ने जोरदार वापसी की और प्लेऑफ में जगह बनाई। पहले पांच मैच में चार हार के साथ शुरुआत करने के बाद हार्दिक पांड्या की टीम अगले छह मैच जीतकर शीर्ष टीमों में पहुंच गई। रोहित शर्मा और तिलक वर्मा अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए लेकिन सूर्यकुमार यादव ने दिखाया कि वह इसमें सर्वश्रेष्ठ क्यों है। वह ऑरेंज कैप की दौड़ में 640 रन के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

साई सुदर्शन ने लूटी महफिल

गुजरात टाइटंस के युवा बल्लेबाज साई सुदर्शन ने इस सत्र में धमाकेदार प्रदर्शन किया। उन्होंने दिखाया कि जोखिम लिए बिना भी रन जुटाए जा सकते हैं। सुदर्शन अब तक 679 रन बनाकर ऑरेंज कैप की दौड़ में शीर्ष पर हैं। दिलचस्प बात यह है कि बाएं हाथ के बल्लेबाज को उनके इस प्रदर्शन का इनाम भी मिला। उन्हें भारतीय चयनकर्ताओं ने इंग्लैंड दौरे के लिए टेस्ट टीम में शामिल किया।

तालमेल नहीं बिठा सके आरआर के खिलाड़ी

राजस्थान रॉयल्स के लिए यह सत्र सीधे तौर पर खराब रहा। उनके खिलाड़ी तालमेल नहीं बिठा सके। मैच में शुरुआत अच्छी होने के बावजूद उनका मिडिल ऑर्डर उसे बरकरार नहीं रख पा रहे थे। यही वजह है कि टीम का संतुलन कुछ ज्यादा ही बिगड़ा नजर आया।

पंजाब के शेरों ने दहाड़ा

पिछले एक साल में कप्तान श्रेयस अय्यर के प्रदर्शन ने यह साबित कर दिया है कि वह हमेशा संघर्ष करने वाली टीम के बदलाव के सूत्रधार रहे। दृढ़ अय्यर और ऑस्ट्रेलियाई रिकी पोंटिंग जैसे कोच के साथ इस बात में कोई संदेह नहीं था कि पीबीकेएस को हराना काफी मुश्किल होगा और केकेआर के खिलाफ सबसे कम स्कोर (111 रन) का बचाव करने जैसा प्रदर्शन इसका एक उदाहरण है।

रूपल और पूजा को एशियाई चैंपियनशिप में रजत पदक

गुमी (दक्षिण कोरिया)। भारत ने एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप के दूसरे दिन बुधवार को यहां अपने खाते में तीन और पदक जोड़े जिसमें रूपल चौधरी और पूजा ने रजत जबकि यूनुस शाह ने कांस्य पदक जीता। भारतीय 'चौकड़ी' की सदस्य रूपल ने महिलाओं के 400 मीटर फाइनल में 52.68 सेकेंड का समय निकालकर दूसरा स्थान हासिल किया और दिन में भारत का खाता खोला। इसी स्पर्धा में हमवतन विथ्या रामराज 53.00 सेकेंड के समय के साथ पांचवें स्थान पर रहीं। जापान की नानाको मात्सुमोतो (52.17 सेकेंड) ने स्वर्ण जबकि उज्बेकिस्तान की जोनबीबी हुकमोवा (52.79 सेकेंड) ने कांस्य पदक जीता। पूजा ने महिलाओं की 1500 मीटर स्पर्धा में चार मिनट 10.83 सेकेंड के समय के साथ भारत को दूसरा रजत पदक दिलाया जबकि यूनुस शाह ने पुरुषों की 1500 मीटर स्पर्धा में तीन मिनट 43.03 सेकेंड का समय लेकर तीसरा स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता के पहले दिन राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारी गुलवीर सिंह ने पुरुषों की 10,000 मीटर स्पर्धा में शीर्ष स्थान हासिल करके भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया था जबकि सिंवन सेबेस्टियन ने 20 किमी पैदल चाल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था।

सिंगापुर ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट-सात्विक-चिराग की जीत से वापसी, लक्ष्य चोटिल होने से बाहर

सिंगापुर। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी ने बुधवार को यहां सिंगापुर ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में जीत के साथ वापसी की जबकि लक्ष्य सेन को निराशा हाथ लगी और उन्हें पीठ के निचले हिस्से में दर्द के होने के कारण शुरुआती दौर के मुकाबले के बीच में ही मैच छोड़ना पड़ा। चिराग की पीठ की चोट के कारण मार्च में ऑल इंग्लैंड ओपन से हटने के बाद यह जोड़ी पहली बार कोर्ट पर उतरी थी लेकिन उन्होंने शानदार खेल का प्रदर्शन किया तथा मलेशिया के चूंग होन जियान और मुहम्मद हाइकाल को केवल 40 मिनट के अंदर 21-16, 21-13 से हराया।

आईपीएल में का पहला प्लेऑफ आज

अय्यर की रणनीति और आरसीबी की प्रतिभा के बीच होगा मुकाबला

मुलांपुर (चंडीगढ़)। श्रेयस अय्यर की प्रेरक नेतृत्व क्षमता की अब तक की सबसे कठिन परीक्षा होगी जब पंजाब किंग्स गुरुवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पहले क्वालीफायर में उत्साह से भरी एक अन्य टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की मेजबानी करेगा। शीर्ष दो में स्थान प्राप्त करने के बाद इन दोनों टीम से फाइनल में पहुंचने की उम्मीद की जा रही है क्योंकि पहले क्वालीफायर में हारने के बावजूद उन्हें खिताबी मुकाबले में जगह बनाने का एक और मौका मिलेगा। पंजाब किंग्स ने 2014 के बाद पहली बार प्लेऑफ में जगह बनाई है। इसका श्रेय अय्यर और रिकी पोंटिंग (मुख्य कोच) की जोड़ी को जाता है जिन्होंने टीम की संस्कृति को बदलकर उसे नया स्वरूप प्रदान किया। दूसरी ओर आरसीबी को नॉकआउट चरण में कई बार हार का सामना करना पड़ा तथा इस बार वह खिताब के सूखे को खत्म करने की उम्मीद कर रही है। उनके अपने शब्दों में खिताब के दोनों दावेदारों के लिए काम अभी आधा ही हुआ है। अय्यर-पोंटिंग की जोड़ी पंजाब किंग्स में शानदार बदलाव लेकर आई है और टीम ने लीग चरण में शुरू से लेकर आखिर तक अच्छा प्रदर्शन किया है।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

रश्मिका मंदाना ने साड़ी में शेयर किया अपना दिलकश अंदाज, बताई अपनी पसंदीदा चीज

साउथ एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी आगामी फिल्म कुबेर को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। इस फिल्म से रश्मिका का लुक सामने आ चुका है, जो प्रशंसकों को बेहद पसंद आया। वहीं आज रश्मिका ने सोशल मीडिया पर अपना लेटेस्ट लुक शेयर किया है। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने अपनी कई पसंदीदा चीजों के बारे में भी खुलासा किया है।

रश्मिका मंदाना ने आज इंस्टाग्राम पर अपनी कई तस्वीरें शेयर की हैं। इन लेटेस्ट तस्वीरों में रश्मिका ने पीले और ऑरेंज शेड की साड़ी पहनी हुई है। इस नए लुक में रश्मिका हमेशा की तरह सिंपल और क्यूट दिख रही हैं। रश्मिका के खुले बाल और चेहरे पर मनमोहक मुस्कान किसी का भी दिल जीत लेगी। इस लुक में रश्मिका ने सोफे पर बैठकर कई शानदार पोज दिए। उनके माथे पर लाल बिंदी उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा रही है।

इन शानदार तस्वीरों के साथ रश्मिका ने अपनी कई पसंदीदा चीजों के बारे में भी बताया। रश्मिका ने कैप्शन में लिखा, इन तस्वीरों में मेरी सभी पसंदीदा चीजें हैं.. रंग, वाइब, जगह, खूबसूरत महिला जिसने मुझे साड़ी गिफ्ट की, फोटोग्राफर और इस फोटो में मौजूद हर चीज मेरे लिए अपूरणीय है। रश्मिका के इस लेटेस्ट लुक पर फैंस ने जमकर कमेंट किए हैं। एक फैन ने लिखा, वाह सुपर, एक और फैन ने लिखा, क्रश्मिका, एक और फैन ने लिखा, आप बहुत सुन्दर हो, एक और फैन ने लिखा, बहुत सुन्दर, एक और फैन ने लिखा, तुम मेरी पसंदीदा हो, एक और फैन ने लिखा, साड़ी में अप्सरा जैसी लग रही हो।

रेचल गुप्ता ने छोड़ा या छीना गया मिस ग्रैंड का ताज?

जालंधर की रेचल गुप्ता ने मिस ग्रैंड इंटरनेशनल 2024 का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया था। लेकिन अब इस टाइटल को जीतने के लगभग सालभर बाद उनसे क्राउन वापस ले लिया गया है। इस बात का ऐलान ब्यूटी पेजेंट की तरफ से किया गया है। हालांकि रेचल गुप्ता का दावा है कि ये फैसला उन्होंने खुद बेहद भारी मन से लिया है। रेचल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की है, इसमें उन्होंने ब्यूटी पेजेंट के टॉक्सिक माहौल को क्राउन वापस करने का कारण बताया। रेचल गुप्ता ने अपनी पोस्ट में लिखा, दुनियाभर में मेरे सभी सपोर्टर के लिए, अगर इस खबर से आपको निराशा हुई है, तो मुझे सही में खेद है। मेरे साथ खड़े रहने के लिए धन्यवाद। कृपया समझिए कि ये फैसला लेना आसान नहीं था, लेकिन मेरे लिए ये सबसे सही निर्णय था। सच बहुत जल्द सबके सामने आ जाएगा। मैं आप सभी से शब्दों से कहीं ज्यादा प्यार करती हूं। ये खबर आपके साथ शेयर करते हुए मुझे बेहद अफसोस हो रहा है कि मैंने मिस ग्रैंड इंटरनेशनल 2024 के पद से इस्तीफा देने और अपना ताज लौटाने का फैसला किया है।

एक पोस्ट से कंट्रोवर्सी शुरू

जानें क्या है पूरा मामला?

उन्होंने आगे लिखा, ताज पहनना मेरे जीवन के सबसे प्यारे सपनों में से एक था, और मैं आशा और गर्व से भर गई थी कि मैं अपने देश का प्रतिनिधित्व करूंगी और इतिहास रचूंगी। लेकिन ताज पहनने के बाद के महीनों में मेरा अनुभव टूटी हुई उम्मीदों, गलत व्यवहार और एक जहरीले माहौल से भरा रहा, जिसे अब मैं चुपचाप सहन नहीं कर सकती। ये फैसला मैंने हल्के में नहीं लिया है। आने वाले दिनों में, मैं एक पूरा वीडियो शेयर करूंगी, जिसमें इस मुश्किल यात्रा के पीछे की सारी बातें बताऊंगी। मैं आपसे दया, खुले दिल, और अपने इस अगले कदम पर लगातार मिलने वाले सपोर्ट की प्रार्थना करती हूं। आपका प्यार मेरे लिए कल्पना से भी कहीं अधिक मायने रखता है। रेचल गुप्ता ने अपनी तरफ की कहानी तो बयां कर दी, लेकिन ऑर्गनाइजेशन का कहना कुछ और ही है। ब्यूटी पेजेंट का कहना है कि उन्होंने खुद रेचल को इस पद से हटाया है। वो अब इस टाइटल के इस्तेमाल की हकदार नहीं हैं। एक ऑफिशियल अनाउंसमेंट कर मिस ग्रैंड इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन ने क्लियर किया कि वो अभी इसी वक्त से मिस रेचल गुप्ता टर्मिनेट कर रहे हैं।

मेट्रो बाजार

हिंडनबर्ग केस में सेबी की पूर्व चीफ को क्लीनचिट

लोकपाल ने कहा- माधबी बुच के खिलाफ कोई ठोस सबूत नहीं मिला

नई दिल्ली। सेबी की पूर्व चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच को हिंडनबर्ग मामले में लोकपाल ने क्लीनचिट दे दी है। लोकपाल की एंटी करप्शन बॉडी ने हिंडनबर्ग केस में उनके खिलाफ सभी शिकायतों का निपटारा कर दिया है। लोकपाल ने कहा है कि बुच के खिलाफ जांच का आदेश देने के लिए कोई ठोस सबूत नहीं है। लोकपाल ने अपने आदेश में कहा, हम इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि शिकायतों में लगाए गए आरोप अनुमानों और मान्यताओं पर आधारित हैं। इसके अलावा इस मामले में कोई भी वेरिफाइड मटेरियल नहीं मिला है। इसलिए उनके खिलाफ की गईं सभी शिकायतों को खारिज किया जाता है। लोकपाल ने कहा, शिकायतकर्ताओं ने इस स्थिति के प्रति सचेत रहते हुए रिपोर्ट से स्वतंत्र होकर आरोपों को स्पष्ट करने का प्रयास किया, लेकिन हमारे द्वारा आरोपों के एनालिसिस से यह निष्कर्ष निकला कि वे सभी आरोप अपुष्ट, अप्रमाणित और तुच्छ हैं। इसके अलाव लोकपाल ने अपने आदेश में कहा कि किसी भी आरोप में कोई दम नहीं है।

खनन क्षेत्रों के कमजोर प्रदर्शन से औद्योगिक उत्पादन वृद्धि घटकर 2.7 फीसदी पर पहुंची

नई दिल्ली। विनिर्माण, खनन एवं बिजली क्षेत्रों के कमजोर प्रदर्शन के कारण भारत की औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर अप्रैल में सुस्त पड़कर 2.7 प्रतिशत रह गयी। बुधवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी मिली। आंकड़ों के अनुसार, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के संदर्भ में मापा गया औद्योगिक उत्पादन अप्रैल, 2024 में 5.2 प्रतिशत बढ़ा था। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने मार्च के लिए औद्योगिक उत्पादन वृद्धि के अनुमान को संशोधित कर 3.9 प्रतिशत कर दिया है, जबकि पिछले महीने यह अनुमान तीन प्रतिशत बताया गया था। भारत की औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर फरवरी में 2.7 प्रतिशत थी।

एनएसओ के आंकड़ों के अनुसार, विनिर्माण क्षेत्र की उत्पादन वृद्धि अप्रैल में थोड़ी कम होकर 3.4 प्रतिशत रह गई जो एक साल पहले इसी महीने में 4.2 प्रतिशत थी। खनन उत्पादन में 0.2 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि एक साल पहले 6.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। बिजली उत्पादन की वृद्धि भी अप्रैल, 2025 में धीमी होकर एक प्रतिशत रह गई, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 10.2 प्रतिशत थी। उपयोग-आधारित वर्गीकरण के अनुसार, पूंजीगत वस्तु खंड की वृद्धि अप्रैल 2025 में बढ़कर 20.3 प्रतिशत हो गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 2.8 प्रतिशत थी। उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं (फिज, एसी आदि का उत्पादन) में अप्रैल 2024 में 10.5 प्रतिशत की वृद्धि के मुकाबले समीक्षाधीन महीने में 6.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई। गैर-टिकाऊ वस्तुओं का उत्पादन अप्रैल में 1.7 प्रतिशत घटा, जबकि एक अप्रैल 2024 में इसमें 2.5 प्रतिशत की गिरावट आई थी। बुनियादी ढांचे/निर्माण वस्तुओं में अप्रैल में चार प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 8.5 प्रतिशत की वृद्धि से कम है।

एक साल पहले बेटे ने की थी आत्महत्या, तनाव में रहकर छोड़ चुके थे काम

बेटे की आत्महत्या से दुखी पिता ने भी लगाई फांसी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गौतम नगर थाना क्षेत्र स्थित सरोज नगर नारियलखेड़ा में बुधवार दोपहर एक 55 साल व्यक्ति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उनके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि उनके इकलौते बेटे ने अगस्त 2024 में आत्महत्या कर ली थी। बेटे की आत्महत्या की घटना से वह दुखी थे। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार रामगोपाल विश्वकर्मा (55) सरोज नगर, नारियल खेड़ा में अनूप सिंह के मकान में किराए से रहते थे। उनकी दो बेटियां और एक बेटा था। दोनों बेटियों की वह शादी कर चुके हैं। वे फेब्रिकेशन का काम करते थे, लेकिन 28 अगस्त को उनके इकलौते बेटे ने आत्महत्या कर ली थी। बेटे की आत्महत्या का सदमा उन्हें इस कदर लगा कि उन्होंने काम छोड़ दिया था। जमापूंजी से वह अपना और पत्नी का गुजारा कर रहे थे। बुधवार दोपहर करीब एक बजे रामगोपाल ने अपने कमरे में फांसी लगा ली। उनके मकान मालिक अनूप सिंह ने थाने पहुंचकर घटना की जानकारी दी थी। पुलिस एफएसएल की टीम के साथ उनके घर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया, लेकिन सुसाइड नोट नहीं मिला। शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया गया है। परिजन ने बयान में बताया कि वह बेटे की आत्महत्या से दुखी थे।

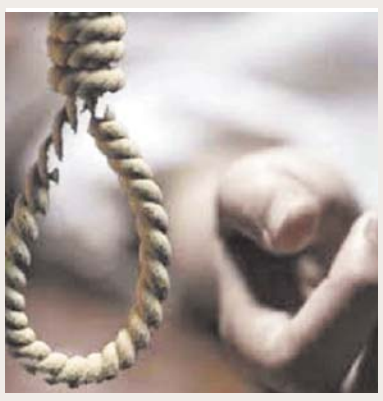

अधेड़ व्यक्ति ने फांसी लगाकर की खुदकुशी भोपाल

गौतम नगर में रहने वाले एक अधेड़ व्यक्ति ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। उनके पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है, लेकिन प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि उनके बेटे की पिछले साल मौत हो गई थी, जिसके बाद से वह काफी दुखी रहते थे। जानकारी के अनुसार रामगोपाल विश्वकर्मा (55) नारियलखेड़ा में रहते थे और फेब्रिकेशन का काम करते थे। परिवार में पत्नी के अलावा दो बेटियां और एक बेटा था। बेटियों की वह शादी कर चुके हैं, जबकि इकलौते बेटे की पिछले साल मौत हो चुकी है। उसके बाद से वह काफी दुखी रहते थे। बुधवार को उन्होंने अपने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मकान मालिक की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी है।

कार की टक्कर से घायल हुए बुजुर्ग व्यक्ति की मौत

भोपाल। बागसेवनिया इलाके में कार की टक्कर से घायल हुए एक बुजुर्ग व्यक्ति की इलाज के दौरान एम्स अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए भेज दिया है। टक्कर मारने वाली कार का फिलहाल कोई पता नहीं चल पाया है। जानकारी के अनुसार शंकरलाल (60) औबेदुल्लागंज जिला रायसेन के रहने वाले थे। वह एक ट्रैक्टर मैकेनिक गुलाब सोनी के साथ हेल्पर का काम करते थे। बीती चौबीस मई की शाम करीब सात बजे वह गुलाब सोनी के साथ उनकी बाइक पर बैठकर भोपाल से औबेदुल्लागंज जा रहे थे। बागसेवनिया स्थित ज्ञान विज्ञान भवन पास होशंगाबाद रोड पर पीछे से आ रही एक सफेद रंग की तेज रफ्तार कार ने गुलाब की बाइक को कट मार दिया, जिससे दोनों लोग बाइक समेत सड़क पर गिरकर घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल शंकरलाल को इलाज के लिए एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां बुधवार को उन्होंने दम तोड़ दिया।

सीसीटीवी में पैदल आते हुए दिखे थे बुजुर्ग

84 साल के लापता बुजुर्ग की खेत में मिली लाश, 25 मई से थे लापता

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मिसरोद पुलिस ने नर्मदापुरम सड़क पर शुभारंभ मैरिज गार्डन, नायरा पेट्रोल से कुछ दूरी पर खेत से एक बुजुर्ग की लाश बरामद की है। गोविंदपुरा से अपने बेटे के घर से गत 25 मई से लापता था। परिजन ने उनकी गुमशुदगी गोविंदपुरा थाना थाने पहुंचकर दर्ज कराई थी। परिजन उनकी तलाश कर रहे थे। मंगलवार को उनकी तलाश करते हुए परिजन मिसरोद तक पहुंच गए। समरदा में उन्होंने किसी जगह सीसीटीवी कैमरे भी चेक किए थे। वहां बुजुर्ग समरदा से पैदल मिसरोद थाने की तरफ आते हुए नजर आए थे। एएसआई भागीरथ राय ने बताय कि 84 साल के बंशीलाल धारू, शिवलोक परिसर अवधपुरी में अपने बेटे के साथ रहते थे। उनका एक बेटा अन्ना नगर में भी रहता है। वह अवधपुरी से अन्ना नगर आए थे। इसके बाद से उनका पता नहीं था। 25 मई को गोविंदुपरा थाने में उनकी गुमशुदगी भी दर्ज कराई गई थी। मंगलवार शाम परिजन मिसरोद पहुंचे और पुलिस चौकी पर मौजूद पुलिसकर्मियों को उन्होंने फोटो देते हुए उनकी तलाश करने मदद मांगी थी। इधर, बुधवार सुबह पुलिस को सूचना मिली कि नर्मदापुरम रोड पर शुभारंभ मैरिज गार्डन, नायरा पेट्रोल पंप के पास खेत में किसी बुजुर्ग का शव पड़ा है। परिजन द्वारा दिए गए फोटो के आधार पर पुलिस ने बुजुर्ग की शिनाख्त कर ली। अनुमान है कि उनकी मौत उम्रदराज होने और भूख या प्यास से हुई है।

डंपर की टक्कर से हुई थी बाइक सवार युवक की मौत

भोपाल। बिलखिरिया इलाके में एक्सीडेंट में हुई एक युवक की मौत के मामले में पुलिस ने टक्कर मारने वाले डंपर चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। घटना के समय मृतक के एक साथी ने डंपर का पीछा कर उसका नंबर देख लिया था। जानकारी के अनुसार चंद्रभान अहिरवार (40) ग्राम दौलतपुरा कोकता नंबर एक बिलखिरिया में रहता था। बीती 24 मई की दोपहर करीब साढ़े बारह बजे वह अपने दोस्त राहुल अहिरवार के साथ बाइक पर बैठकर जा रहा था। कोकता कलारी बायपास रोड से निकलते समय ग्राम कान्हासैया की तरफ से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे दोनों घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल चंद्रभान को इलाज के लिए जयप्रकाश अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के समय वहां से निकल रहे साथी पवन अहिरवार ने डंपर का पीछा कर उसका नंबर देख लिया था। पुलिस ने मर्ग जांच के बाद डंपर चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

बैरसिया इलाके में हुआ हादसा

बाइक की टक्कर से चली गई थी महिला की जान, चालक पर केस

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बैरसिया इलाके में एक्सीडेंट में हुई एक महिला की मौत के मामले में पुलिस ने टक्कर मारने वाले बाइक चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार दीपा कुशवाह पत्नी जगदीश कुशवाह (27) ग्राम जूनापानी थाना गुनगा में रहती थी। बीती नौ मई को वह अपने पति जगदीश के साथ बाइक पर बैठकर मायके ग्राम भैसौंदा जा रही थी। शाम करीब पांच बजे दंपति जैसे ही गुरुकुल कालेज के पास पहुंचे, वैसे ही बैरसिया की तरफ से आ रही तेज रफ्तार बाइक के चालक ने जगदीश की बाइक को टक्कर मार दी, जिससे दोनों लोग बाइक समेत सड़क पर गिरकर घायल हो गए।

बुजुर्ग महिला के पैर पर चढ़ा डंपर का पहिया

बिलखिरिया इलाके में कचरा बीनने पहुंची एक बुजुर्ग महिला के पैर पर डंपर का पहिया चढ़ गया, जिससे महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने डंपर चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार आनंदी बाई (70) पुरानी कलारी के पीछे अयोध्या बायपास पर रहती है और कचरा बीनने का काम करती है। बुधवार की सुबह वह अपने बेटे नारायण के साथ बिलखिरिया थानांतर्गत ग्राम हरिपुरा स्थित खंती में कचरा बीनने पहुंची थी। सुबह करीब साढ़े दस बजे खाना खाने के लिए एक तरफ बैठी हुई थी, तभी एक डंपर के चालक ने लापरवाही पूर्वक डंपर को बगैर देखे पीछे किया, तभी डंपर का पहिया महिला के पैर पर चढ़ गया।

विरासत और विकास के साथ आगे बढ़ता
मध्यप्रदेश

300वां जन्म जयंती वर्ष
स्वावलंबी महिला सशक्त राष्ट्र
लोकमाता देवी अहिल्याबाई महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन
भोपाल - 31 मई, 2025

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

तेंदूपत्ता संग्राहक एवं वन समितियों का सम्मेलन
'महिला स्वास्थ्य शिविर' का आयोजन
'विकसित कृषि संकल्प अभियान' का शुभारंभ
'जल गंगा संवर्धन अभियान' अंतर्गत कार्यक्रम
विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण

मुख्य अतिथि
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

D11031/25

29 मई, 2025 | दोपहर 12:00 बजे । गौरिहार, जिला छतरपुर

सीधा प्रसारण webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP jansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022